आज का सुविचार

ज्यों - ज्यों अभिमान कम होता है, कीर्ति बढ़ती है।

यंग

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-05 भोपाल, मंगलवार 16 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

महात्मा गांधी, सरदार पटेल की तरह देश में हर साल मनाई जाएगी बिरसा मुंडा जयंती

पिछली सरकारों ने आदिवासियों के बारे में देश को अंधेरे में रखा : मोदी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अमर शहीद बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचे। वह यहां वर्ल्ड क्लास स्टेशन रानी कमलापति (हबीबगंज) का लोकार्पण करेंगे। इस स्टेशन की खासियत यह है कि यहां एंटर होते ही एयरपोर्ट जैसा फील आएगा। यहां पर एक साथ करीब 2000 लोग एक साथ बैठ सकेंगे। मॉडर्न टॉयलेट, क्वालिटी फूड, म्यूजियम और गेमिंग जोन की भी यहां सुविधा है। स्टेशन पर जल्द ही स्पा भी खुलेगा। इससे पहले मोदी ने जंबूरी मैदान से विपक्ष पर निशाने साधे। उन्होंने कहा- आजादी के बाद की सरकारों ने आदिवासियों की समृद्ध विरासत के बारे में देश को नहीं बताया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जनजातीय गौरव दिवस महासम्मेलन में शामिल जनजातीय समुदाय का अभिवादन किया।

रानी कमलापति के गौरवशाली इतिहास को अंग्रेजों और कांग्रेस ने कभी सामने नहीं आने दिया : शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पूर्व कमलनाथ और दिग्विजय सिंह पर निशाने साधे। उन्होंने कहा कि जो कभी कहते थे कि BJP आदिवासी विरोधी है, आज वही इस सम्मेलन को फिजूल खर्च बता रहे हैं। मुख्यमंत्री ने करीब 20 मिनट भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने भारत माता के जयघोष के बाद भगवान बिरसा कहकर शुरुआत की। रानी कमलापति की जीवनी सुनाई। वैक्सीन, डीजल पेट्रोल पर टैक्स् ड्यूटी घटाने, फ्री राशन, डीएपी के दाम कम कराने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद दिया। भाषण में 30 से अधिक बार प्रधानमंत्री मोदी का जिक्र किया। उन्होंने भाषण के बीच में कहा कि वैक्सीन का डोज नहीं, प्रधानमंत्री ने जिंदगी का डोज दिया। डीजल पेट्रोल की कीमतें घटाने के फैसले को ऐतिहासिक करार दिया तो गांव-गांव बिजली पहुंचाने को चमत्कार बताया। सीएम कांग्रेस पर भी हमलावर रहे। वे बोले- रानी कमलापति के गौरवशाली इतिहास को अंग्रेजों और कांग्रेस ने कभी सामने नहीं आने दिया। कांग्रेस को हमेशा एक ही परिवार को श्रेय देने वाला बताया। उन्होंने राशन आपके द्वार योजना का ऐलान किया।

मोदी के भाषण की प्रमुख बातें

- पीएम ने कहा कि आज का दिन पूरे देश के लिए बहुत बड़ा दिन है। आज भारत अपना पहला जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है। आजादी के बाद देश में पहली बार, इतने बड़े पैमाने पर पूरे देश के जनजातीय समाज की कला, संस्कृति, स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को गौरव के साथ याद किया जा रहा है।
- मेरा ये अनुभव रहा है कि जीवन के महत्वपूर्ण कालखंड को मैंने आदिवासियों के बीच बिताया है। जीवन जीने का कारण, जीवन जीने के इरादे को आदिवासी परंपरा बखूबी प्रस्तुत करती है।
- मुझे खुशी है कि मध्य प्रदेश में जनजातीय परिवारों में तेजी से मुफ्त टीकाकरण भी हो रहा है। दुनिया के पढ़े-लिखे देश में भी टीकाकरण पर सवालिया निशान लगाने को लेकर भी खबरें आती हैं। लेकिन, मेरे आदिवासी भाई-बहन टीकाकरण के महत्व को समझते हैं। पढ़े-लिखे लोगों को आदिवासियों से सीखना चाहिए।
- जनजातीय सम्मेलन पर कुछ लोगों को हैरानी होती है। ऐसे लोगों को विश्वास ही नहीं होता कि जनजातीय समाज का भारत की संस्कृति को मजबूत करने में कितना बड़ा योगदान रहा। देश को अंधेरे में रखा गया। अगर बताया भी गया तो बहुत ही सीमित दायरे में जानकारी दी गई। आजादी के बाद इतने दशक तक सरकार चलाने वालों ने अपने स्वार्थ को प्राथमिकता दी।
- गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद मैंने वहां पर जनजातीय समाज में बदलाव के लिए बहुत सारे अभियान शुरू किए। जब देश ने मुझे 2014 में आपकी सेवा का मौका दिया तो मैंने जनजातीय समुदाय के हितों को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा। आज सही मायने में आदिवासी समाज को देश के विकास में भागीदारी दी जा रही है।
- जनजातीय समाज के बच्चों को एक बहुत बढ़ी दिक्कत भाषा की भी होती थी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पढ़ाई स्थानीय भाषा में होगी। इसका लाभ हमारे बच्चों को मिलना तय है।
- जनजातीय समाज के आत्मविश्वास के लिए, अधिकार के लिए हम दिन-रात मेहनत करेंगे। हम इस संकल्प को फिर दोहरा रहे हैं कि जैसे हम गांधी जयंती मनाते हैं, सरदार पटेल की जयंती मनाते हैं, वैसे ही भगवान बिरसा मुंडा की जयंती हर साल जनजातीय गौरव दिवस के रूप में पूरे देश में मनाई जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी को 100 करोड़ से बने रानी कमलापति स्टेशन की रेल मंत्री ने जानकारी दी

अमर शहीद बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस समारोह को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पहुंचे। 100 करोड़ से बने रेलवे स्टेशन की उन्हें रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उन्हें जानकारी दी। मोदी यहां वर्ल्ड क्लास स्टेशन रानी कमलापति (हबीबगंज) का लोकार्पण करेंगे। इस स्टेशन की खासियत यह है कि यहां एंटर होते ही एयरपोर्ट जैसा फील आएगा। यहां पर एक साथ करीब 2000 लोग एक साथ बैठ सकेंगे। मॉडर्न टॉयलेट, क्वालिटी फूड, म्यूजियम और गेमिंग जोन की भी यहां सुविधा है। स्टेशन पर जल्द ही स्पा भी खुलेगा।

प्रधानमंत्री ने राशन आपके ग्राम योजना का शुभारंभ कर जनजातीय युवाओं को वाहन की चाबी सौंपी।

प्रदेश के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर जी से सौजन्य भेंट कर सम-सामयिक विषयों पर चर्चा की।

दूसरे डोज का टारगेटःजिन लोगों के दोनों डोज बाकी, उन्हें नहीं लगेगी कोवीशील्ड की वैक्सीन, ज्यादा अवधि खास कारण

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जिले में दूसरे डोज को लेकर प्रशासन की कसावट के बाद अब गति अच्छी है। 10 नवंबर से औसतन हर रोज 70 हजार से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है हालांकि रविवार को अवकाश होने के कारण 42 हजार लोगों ने ही वैक्सीन लगाई थी। इसी कड़ी में कुछ बदलाव किया गया है। इसके तहत ऐसे लोग जिनके दोनों डोज बाकी हैं या वे लोग जो 18 वर्ष की उम्र क्रॉस कर अब वैक्सीनेशन के पात्र हो रहे हैं उन्हें अब कोवीशील्ड नहीं बल्कि कोवैक्सीन लगाई जाएगी। दरअसल अभी भी करीब 10 लाख लोग ऐसे हैं जिनका पहला डोज होकर ड्यू डेट

निकल चुकी है। इनमें भी अधिकांश वे लोग ज्यादा है जिन्होंने कोवीशील्ड का पहला डोज लगाया है। खास बात यह कि कोवीशील्ड के पहले डोज के बाद 84 दिनों की अवधि होती है जो अधिकतर लोगों की खत्म हो चुकी है। इसके चलते दूसरे डोज वालों की संख्या काफी बढ़ गई है। इसके चलते अभी रोज जो 270 सेंटरों पर जो वैक्सीनेशन हो रहा है, वहां कोवीशील्ड का पहला डोज नहीं लगाया जा रहा है। दूसरी ओर कोवैक्सीन के पहले डोज के बाद 28 दिनों की अ ?वधि होती है जो आसानी से पूरी हो जाती है। इसके चलते अब जिन लोगों के दोनों डोज बाकी हैं, उन्हें कोवैक्सीन ही लगाई जाएगी। वैसे हर माह 3 हजार से ज्यादा लोग वैक्सीनेशन के पात्र (18 वर्ष से अधिक उम्र के) हो रहे हैं। इसके चलते यह बदलाव किया गया है।

टीकाकरण अधिकारी डॉ. तरुण गुप्ता ने बताया कि अब तक 30 लाख से ज्यादा लोगों को पहला तथा 20 लाख से ज्यादा लोगों (69 फीसदी) को दोनों डोज लग चुके हैं। अभी भी 10 लाख से ज्यादा लोगों को दूसरा डोज बचा है। इनमें से आधे से ज्यादा की ड्य डेट निकल चुकी है। चूंकि कोवीशील्ड के दोनों डोज के बीच की अवधि ज्यादा होती है इसके चलते पहला डोज बंद कर दिया गया है।

पंचांग

कार्तिक शुक्ल पक्ष
त्रयोदशी, मंगलवार, 22
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:34/5:36
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	45 %
वायु (किमी/घ.)	08
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 50,830

शेयर सूचकांक

बीएसई 60967.05 +145.43

निफ्टी 18125.40 +10.50

गुजरात के मोरबी से 600 करोड़ रुपए कीमत की 120 किलो ड्रग्स जब्त

गुजरात। गुजरात से ड्रग्स की जब्ती का सिलिसिला लगातार जारी है। हाल ही में द्वारका से 60 किग्रा ड्रग्स की जब्ती के बाद अब सूरत जिले के जिंजुडा गांव से 120 किग्रा ड्रग्स का जत्था बरामद किया गया है। इस मामले में गुजरात एक्शन टास्क फोर्स ने मोरबी में रहने वाले समसुद्दीन सैयद, जब्बार मुख्तार हुसैन और गुलाम हुसैन को हिरासत में लिया गया है।

उप्र में गायों के इलाज के लिए अभिनव एंबुलेंस सेवा

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार अब गायों के लिए अभिनव एंबुलेंस सेवा शुरू करने जा रही है। यह क्रिक मेडिकल सर्विस 24 घंटे एक्टिव रहेगी। कंट्रोल रूम भी स्थापित होंगे। प्रदेश में किसी भी गाय के बीमार होने या फिर हादसे का शिकार होने की सूचना पर एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुंचेगी। उसका इलाज करेगी। सीएम योगी आदित्यनाथ दिसंबर के शुरू में इस योजना का शुभारंभ कर सकते हैं।

दिल्ली महिला आयोग ने कंगना के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग एक्ट्रेस कंगना रनोट के आजादी वाले बयान को लेकर विरोध में आ गया है। आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कंगना को दिए गए पद्मश्री पुरस्कार को वापस लेने और राजद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को चिट्ठी लिखी है। कंगना ने बीते दिनों एक टीवी चैनल पर देश की स्वतंत्रता पर विवादास्पद बयान दिया था।

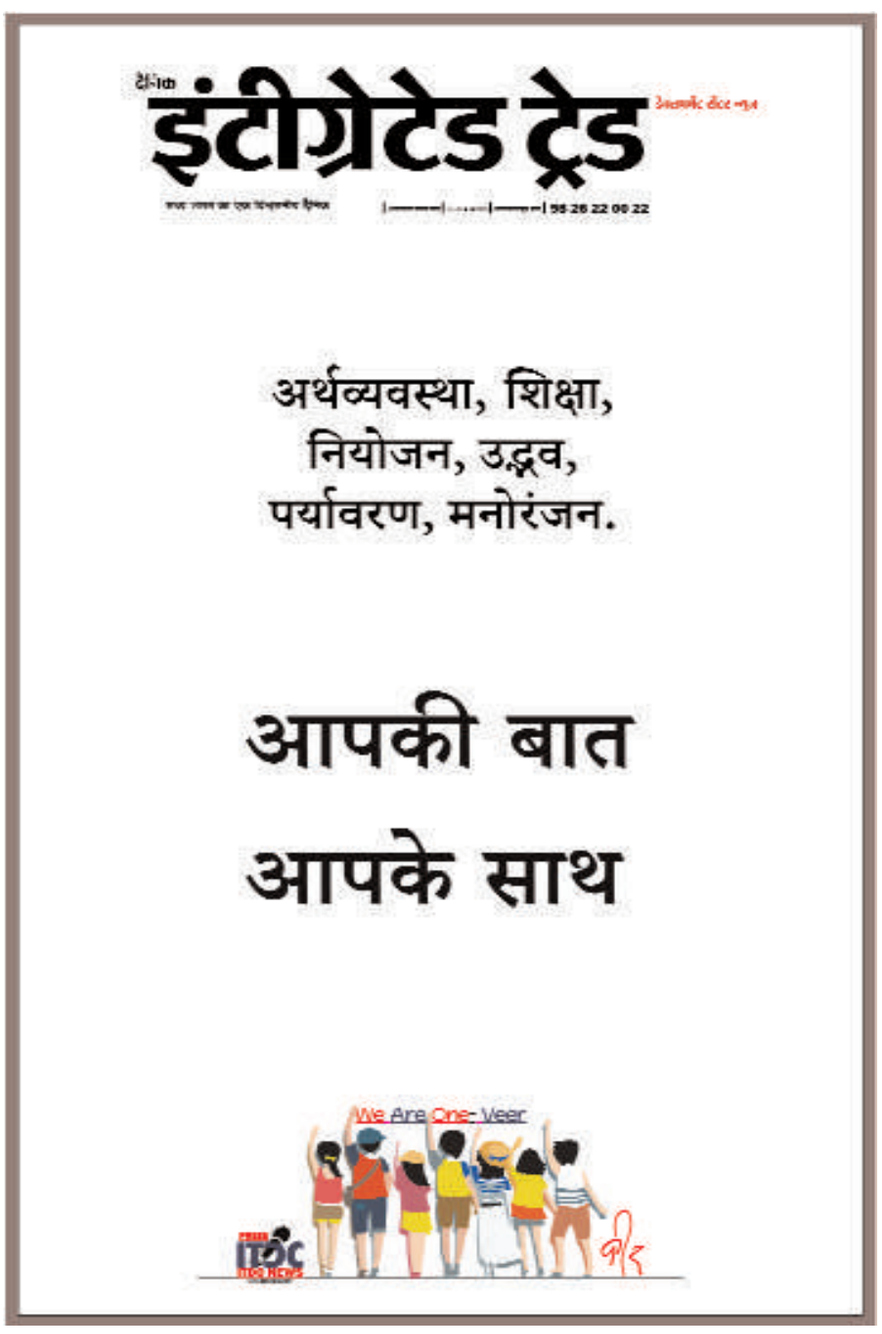

भोपाल में मोदी को झाबुआ की जैकेट और

डिंडौरी का साफा पहनाया गया नेताओं को पैर छूने से रोका

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल में मोदी को झाबुआ की जैकेट और डिंडौरी का साफा पहनाया गया, नेताओं को पैर छूने से रोका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस समारोह में शामिल हुए। यहां आदिवासी कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य के साथ उनका स्वागत किया। मंच पर प्रधानमंत्री को झाबुआ से लाई गई आदिवासियों की पारंपरिक जैकेट और डिंडोरी से लाया गया आदिवासी साफा पहनाया गया। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री और आदिवासी नेता ओमप्रकाश धुर्वे समेत कुछ अन्य नेताओं ने क्रू के स्वागत के दौरान उनके पैर छूने की कोशिश की, तो मोदी ने उन्हें रोक दिया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा जन-नायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर माल्यार्पण

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जन-नायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर नमन कर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास पर स्थित सभागार में भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष श्री कल सिंह भाबर उपस्थित थे। भगवान बिरसा मुंडा के जन्म दिन को पूरे देश में जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने के निर्णय के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को मुख्यमंत्री श्री चौहान ने धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से जनजातीय योद्धाओं के पराक्रम को देश के सामने सही ढंग से रखा जा रहा है। भगवान बिरसा मुंडा सहित अनेक जनजातीय योद्धाओं के आजादी की लड़ाई में योगदान को देश के सामने सही ढंग से रखा जा रहा है। जनजातीय गौरव दिवस का कार्यक्रम जनजातियों के जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाने का प्रयास है। आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से जनजातीय समाज सशक्त हो, इसकी कोशिश है। इन प्रयासों को लागू करने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी को धन्यवाद। जन-नायक भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को झारखंड के उलीहातु गाँव में हुआ। वे हमेशा अपने समाज की ब्रिटिश शासकों द्वारा की गई बुरी दशा को लेकर चिंतित रहते थे। अपनी इस सेवा से भगवान बिरसा मुंडा अपने क्षेत्र में %धरती आबा% यानी %धरती पिता% हो गए थे। राष्ट्रीय आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाकर देशभक्ति की अलख जगाने वाले %धरती आबा% बिरसा मुंडा को भगवान माना जाने लगा। अक्टूबर 1894 को भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों से लगान माफी के लिए आंदोलन किया। वर्ष 1897 से 1900 के बीच मुंडाओं और अंग्रेजी सिपाहियों के मध्य युद्ध होते रहे और बिरसा मुंडा के नेतृत्व में मुंडाओं ने अंग्रेजों को नाक में दम कर दिया। मार्च 1900 में चक्रधरपुर में बिरसा मुंडा एक जन-सभा को संबोधित कर रहे थे, तभी उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। भगवान बिरसा मुंडा ने अपनी अंतिम साँस 9 जून 1900 को रांची कारागार में ली।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आचार्य विनोबा भावे की पुण्य-तिथि पर किया नमन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत रत्न स्व. आचार्य विनोबा भावे की पुण्य-तिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास स्थित सभागार में आचार्य भावे के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रदेशाध्यक्ष भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा श्री कल सिंह भाबर उपस्थित थे। आचार्य विनोबा भावे का जन्म 11 सितंबर 1895 को हुआ। वे भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा प्रसिद्ध गांधीवादी नेता थे। उनका मूल नाम विनायक नरहरि भावे था। उन्हें महात्मा गांधी का आध्यात्मिक उत्तराधिकारी समझा जाता है। उन्होंने अपने जीवन के आखिरी वर्ष पवनार, महाराष्ट्र के आश्रम में गुजारे। उन्होंने भूदान आन्दोलन चलाया। नागपुर झंडा सत्याग्रह में वे बंदी बनाये गये। विनोबा भावे अत्यंत विद्वान एवं विचारशील व्यक्तित्व के धनी थे। अर्थ शास्त्र, राजनीति और दर्शन के आधुनिक सिद्धांतों का भी उन्होंने गहन अवलोकन, चिंतन किया। सामुदायिक नेतृत्व के लिए वर्ष 1958 में अन्तर्राष्ट्रीय रेमन मेगसेसे पुरस्कार पाने वाले वह पहले व्यक्ति थे। स्व. श्री भावे का निधन 15 नवंबर, 1982 को हुआ था।

मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना से ग्राम में ही मिल जायेगा राशन

» जनजातीय हितग्राही को पंचायत मुख्यालय पर नहीं जाना पड़ेगा राशन लेने

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रदेश में %मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना% प्रारंभ की जा रही है। योजना में राशन वितरण वाहनों के माध्यम से ग्राम में ही राशन वितरित किया जायेगा। जनजातीय हितग्राहियों को अब उचित मूल्य राशन लेने के लिये पंचायत मुख्यालय पर नहीं जाना पड़ेगा। इससे उन्हें राशन प्राप्त करने में सुविधा और समय की बचत भी होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 15 नवंबर को भोपाल के जम्बूरी मैदान में जनजातीय गौरव दिवस समारोह में इस योजना की विधिवत शुरूआत करेंगे।

485 राशन वाहन अनुबंधित

योजना के संचालन के लिये प्रदेश में 485 वाहन अनुबंधित किये गये हैं। इनके माध्यम से प्रदेश के 16 जिलों के 74 जनजातीय विकासखण्डों में उचित मूल्य राशन वितरित किया जायेगा। योजना से 6 हजार 575 गाँवों के 7 लाख 43 हजार परिवार लाभांवित होंगे। प्रतिमाह लगभग 16 हजार 944 मीट्रिक टन राशन का वितरण किया जायेगा। राशन वाहनों को कस्टमाइज कर उन पर तौल काँटा, बैठक व्यवस्था, माईक, पंखा, लाईट एवं सामग्री की सुरक्षा के प्रबंध किये जायेंगे। वाहन पर महत्वपूर्ण शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी किया जायेगा।

अनुसूचित जनजाति के युवाओं के वाहन अनुबंधित होंगे

योजना के संचालन के लिये अनुसूचित जनजाति के युवाओं के वाहन अनुबंधित किये जायेंगे। एक टन खाद्यान्न क्षमता वाले वाहन के लिये 24 हजार रूपये तथा 2 टन क्षमता वाले वाहन के लिये 31 हजार रूपये प्रतिमाह किराया प्रदान किया जायेगा। हर चार महिने में किराये की दर को पुनरीक्षित किया जा सकेगा।

मार्जिन मनी भी दी जायेगी

राशन वाहन क्रय करने के लिये अनुसूचित जाति के युवाओं को एक टन क्षमता के वाहन के लिये 2 लाख रूपये एवं एक टन से अधिक क्षमता के वाहन के लिये 3 लाख रूपये प्रति वाहन मार्जिन मनी शासन द्वारा दी जायेगी। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से हितग्राहियों को 7.40 प्रतिशत की रियायती दर पर ऋण दिलाया जायेगा।

न्यूज ब्रीफ

शिवानी को सहायता करेगी प्रदेश सरकार : पटेल

भोपाल। किसान कल्याण तथा कृषि विकास और छिंदवाड़ा प्रभारी मंत्री श्री कमल पटेल ने गत दिवस रजत पदक विजेता महिला रेसलर शिवानी के घर जाकर बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने ग्राम उमरेठ पहुंचकर सर्बिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला कुश्ती प्रतियोगिता में विश्व में भारत का मान बढ़ाने वाली छिंदवाड़ा जिले की बेटी शिवानी के परिजनों और कोच से मुलाकात कर सम्मान किया। मंत्री श्री पटेल ने शिवानी की मेहनत और जज्बे की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार शिवानी बिटिया को हर प्रकार से सहायता करेगी। श्री मंत्री श्री पटेल के साथ विवेक साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण और ग्रामवासी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आज दोपहर जनजाति महानायक भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस महासम्मेलन में शामिल होने स्टेट हेंगर भोपाल पहुँचे। प्रधानमंत्री श्री मोदी का राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम और वेटिंग इन मिनिस्टर प्रदेश के वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने अगवानी की।

इंदौर की पारेषण क्षमता को मजबूती प्रदान करने ट्रांसमिशन कंपनी बना रही है जीआईएस सब-स्टेशन

सब-स्टेशनों का रिंग बना कर सुदृढ़ किया गया हैं इंदौर का विद्युत पारेषण सिस्टम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश के महानगर इंदौर के पारेषण सिस्टम को मजबूती और विश्वसनीयता प्रदान करने के लिए मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी प्रदेश में पहली बार इंदौर में जीआईएस (गैस आधारित पावर सब-स्टेशन) का निर्माण कार्य प्रगति पर है। करीब 36 करोड़ 50 लाख की अनुमानित लागत से इंदौर की घनी आबादी में स्थित महालक्ष्मी नगर में बनने वाले सब-स्टेशन से इंदौर के पूर्वी क्षेत्र में विद्युत पारेषण व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ इंदौर को अति उच्चदाब सब-स्टेशन का एक और विकल्प उपलब्ध हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इंदौर में विद्युत की बढ़ती मांग को देखते हुए मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी को सब-स्टेशनों के निर्माण की जरूरत महसूस हुई। इंदौर जैसी घनी आबादी में परम्परागत सब-स्टेशन के निर्माण के लिए पर्याप्त भूमि की उपलब्धता न रहने के कारण मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने इंदौर में जीआईएस (गैस आधारित पावर सब-स्टेशन) बनवाने का निर्णय लिया।

निर्माण में कम जगह लगने के साथ दूसरे फायदे भी

जीआईएस (गैस आधारित पावर सब-स्टेशन) के निर्माण में परम्परागत एयर इंसुलेटेड सब-स्टेशनों के मुकाबले कम जमीन की जरूरत पड़ती है। इस तकनीक से सब-स्टेशन के निर्माण का बजट परम्परागत सब-स्टेशन की तुलना में अधिक रहने के बावजूद मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने इंदौर की जरूरत को देखते हुए निर्माण की मंजूरी दी। गैस इंसुलेटेड चेंबर में रहने के कारण इन सब-स्टेशनों के उपकरणों में कम खराबी आती है, इन्हें बोलचाल की भाषा में ''मेंटेनेंस फ्री'' सब-स्टेशन भी कहा जाता है।

रिमोट से संचालित किया जा सकेगा सब-स्टेशन

इस सब-स्टेशन में अत्याधुनिक तकनीक इस्तेमाल हो रही है। इसकी सहायता से इसे कम से कम आपरेटर के साथ या रिमोट से भी संचालित किया जा सकेगा।

पूर्वी इंदौर व मेट्रो रेल को मिलेगा फायदा

इस सब-स्टेशन के निर्माण से पूर्वी इंदौर के अनेक क्षेत्रों जिनमें नई कालोनियों के अलावा कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी शामिल है, उन्हें उचित वोल्टेज की गुणवत्ता पूर्ण विद्युत प्रदाय किया जा सकेगा साथ ही इंदौर में बन रही मेट्रो रेल परियोजना के लिए भी पर्याप्त मात्रा में विद्युत उपलब्धता विकल्प के साथ बनी रहेगी।

सब-स्टेशनों के रिंग सिस्टम से जुड़ चुका है इंदौर

इंदौर प्रदेश का एकमात्र ऐसा शहर है जो चारों तरफ से मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के सब-स्टेशनों से एक रिंग के माध्यम से जुड़ चुका है। इंदौर के चारों तरफ सब-स्टेशन होने से किसी भी एक क्षेत्र में विद्युत व्यवधान होने या सुधार कार्य करने पर बिजली बंद करने की जरूरत नहीं रहेगी। संबंधित उप केन्द्रों का भार नजदीकी उप केन्द्र पर डाला जा सकेगा।

न्यूज ब्रीफ

उद्योग जगत को रिकॉर्ड मुनाफा

नई दिल्ली। देश की शीर्ष सूचीबद्ध कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में अब तक का सबसे ज्यादा तिमाही मुनाफा कमाया है। सितंबर तिमाही में इन कंपनियों का मुनाफा एक साल पहले की समान अवधि से 46.4 फीसदी बढ़कर 2.39 लाख करोड़ रुपये रहा। बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और बीमा, तेल एवं गैस तथा धातु एवं खनन क्षेत्र की कंपनियों के मुनाफे में उछाल की वजह से एकीकृत लाभ बढ़ा है। इन चक्रीय क्षेत्रों की कंपनियों का समेकित शुद्ध लाभ सालाना अधार पर 87 फीसदी बढ़कर 1.53 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले 82,000 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इन क्षेत्रों की कंपनियों का कुल मुनाफा 1.08 लाख करोड़ रुपये था। सितंबर तिमाही में कंपनियों की कुल मुनाफा वृद्धि में इन क्षेत्र की कंपनियों का योगदान 94 फीसदी रहा। दूसरी ओर उद्योग जगत की बाकी कंपनियों का समेकित मुनाफा सितंबर तिमाही में केवल 5.3 फीसदी बढ़कर 85,300 करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष 2021 की तीसरी तिमाही के सर्वकालिक उच्च स्तर से करीब 10 फीसदी कम है। करीब एक दशक में पहली बार शीर्ष तीन मुनाफे वाली कंपनियों में जिंस और ऊर्जा उत्पादक क्षेत्र की कंपनियां हैं। ओएनजीसी इस सूची में शीर्ष पर है और उसका शुद्ध मुनाफा पिछले साल की समान अवधि से 565 फीसदी बढ़कर 18,348 करोड़ रुपये रहा। दूसरी तिमाही में कंपनियों के कुल मुनाफा वृद्धि में इसका योगदान 21 फीसदी रहा। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज का शुद्ध मुनाफा 43 फीसदी बढ़कर 13,680 करोड़ रुपये और टाटा स्टील का मुनाफा 661 फीसदी बढ़कर 11,918 करोड़ रुपये रहा। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में ज्यादा मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में जेएसडब्ल्यू स्टील (350 फीसदी वृद्धि), भारतीय स्टेट बैंक (69 फीसदी वृद्धि), सेल (994 फीसदी वृद्धि), वेदांत (451 फीसदी वृद्धि) और जिंदल स्टील (209 फीसदी वृद्धि) प्रमुख हैं। जिन बड़ी कंपनियों का मुनाफा ज्यादा घटा है या नुकसान बढ़ा है, उनमें टाटा मोटर्स, ल्यूपिन, इंटरग्लोब एविएशन, अदाणी पावर, मारुति सुजूकी और हीरो मोटोकॉर्प प्रमुख हैं।

अगले 7 दिन तक रात 11.30 से सुबह 5.30 के बीच टिकट बुक नहीं कर सकेंगे, सिस्टम अपग्रेड कर रहा रेलवे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रेलवे अपने पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम को अपग्रेड कर रहा है। 14 नवंबर की रात से 21 नवंबर की सुबह तक ये अपग्रेडेशन होगा। इस दौरान रात 11.30 से सुबह 5.30 तक रेलवे टिकट बुक नहीं किए जा सकेंगे। यह कदम नई ट्रेन संख्या और अन्य डेटा के अपग्रेडेशन के लिए है। रेलवे ने कहा कि चूंकि सभी ट्रेनों में बड़ी मात्रा में पुरानी ट्रेन संख्या और वर्तमान यात्री बुकिंग डेटा को अपडेट किया जाना है, इसलिए इसे श्रृंखलाबद्ध चरणों में करने की योजना बनाई है। इसके चलते टिकटिंग सेवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिए ये काम रात को किया जाएगा।

रात में 6 घंटे बंद रहेगा PRS

रेलवे के अनुसार अपग्रेडेशन 14 और 15 नवंबर रात से शुरू होकर 20 और 21 नवंबर की रात तक चलेगा। इसके चलते रात साढ़े 11 बजे से सुबह साढ़े 5 बजे तक PRS काम नहीं करेगा। इसके चलते इन 6 घंटों के दौरान टिकट रिजर्वेशन, करंट बुकिंग, कैंसिलेशन और पूछताछ सेवाओं जैसी कोई PRS सेवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। रेलवे ने कहा कि इसके अलावा रेल कर्मी प्रभावित समय के दौरान ट्रेनों को शुरू करने के लिए अग्रिम चार्टिंग सुनिश्चित करेंगे। रेल मंत्रालय ने कहा कि PRS सेवाओं को छोड़कर, डायल 139 सेवाएं सहित अन्य सभी पूछताछ सेवाएं मिलती रहेंगी।

स्पेशल ट्रेनों को रूटीन ट्रेनों के रूप में चलाया जाएगा

कोरोना काल के दौरान स्पेशल का टैग लगने से बढ़े हुए किराये के साथ चल रहीं सभी ट्रेन अब पुराने नाम व नंबर के साथ हीं चलेंगी। रेल मंत्रालय ने यात्रियों को बड़ी राहत देने वाली घोषणा की है। मंत्रालय ने कहा है कि कोरोना काल में स्पेशल ट्रेन में बदल गईं सभी रेलगाड़ियां अब पहले की तरह सामान्य रूप से संचालित की जाएंगी। इससे इन ट्रेनों में वसूला जा रहा स्पेशल चार्ज घट जाएगा, जिससे किराए में करीब 30 फीसदी तक कमी आएगी।

एक तिमाही में 18,347 करोड़ का लाभ

भारत में सबसे ज्यादा फायदा कमाने वाली कंपनी बनी ओएनजीसी

रिलायंस को भी पीछे छोड़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सरकारी कंपनी ऑइल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन ने रिकॉर्ड हासिल किया है। देश में किसी एक तिमाही में सबसे ज्यादा फायदा कमाने वाली कंपनी बन गई है। इसने सितंबर तिमाही में 18,347.73 करोड़ रुपए का फायदा कमाया है।

इंडियन ऑइल के नाम था रिकॉर्ड

अभी तक किसी एक तिमाही में सबसे ज्यादा फायदा कमाने का रिकॉर्ड भी सरकारी कंपनी इंडियन ऑइल कॉर्पोरेशन के नाम था। इस कंपनी ने मार्च 2013 की तिमाही में 14,513 करोड़ रुपए का फायदा कमाया था। हालांकि टाटा स्टील ने इस रिकॉर्ड को तोड़ा और उसने मार्च 2018 में 14,688 करोड़ रुपए का फायदा कमाया था।

कोल इंडिया ने कमाया था 14,189 करोड़ का फायदा

इससे पहले सरकारी कंपनी कोल इंडिया ने मार्च 2016 की तिमाही में 14,189 करोड़ रुपए का फायदा कमाया था। जबकि निजी सेक्टर की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज

कच्चे तेल के इंपोर्ट पर वित्तवर्ष 2019 में 111.9 अरब डॉलर खर्च हुआ था | वित्तवर्ष में 2020 में 101 अरब डॉलर खर्च हुआ था | वित्तवर्ष 2021 में 62.71 अरब डॉलर का खर्च हुआ

लिमिटेड (ऋढ्ढरु) ने सितंबर 2021 की तिमाही में 13,680 करोड़ रुपए का फायदा कमाया था। इस आंकड़े में टाटा स्टील और रिलायंस इंडस्ट्रीज की सभी कंपनियों का फायदा शामिल है। जबकि ओएनजीसी ने अकेले 18,348 करोड़ रुपए का फायदा कमाया है। ओएनजीसी की अन्य कंपनियों के फायदे को मिला दें तो यह आंकड़ा 18,749 करोड़ रुपए हो जाता है।

110 का लाभांश देगी हृद्भ्रष्ट

ओएनजीसी ने इसी के साथ 110 फीसदी का लाभांश (डिविडेंड) भी देने की घोषणा की है। यानी प्रति शेयर 5.50 रुपए का लाभांश कंपनी देगी। शुक्रवार को इसका शेयर 154 रुपए के ऊपर बंद हुआ था। एक साल पहले जुलाई-सितंबर की तिमाही में कंपनी को 2,757.77 करोड़ रुपए का लाभ हुआ था। उसकी तुलना में इस बार सितंबर तिमाही में फायदा 5.65 गुना बढ़ा है। वित्तवर्ष 2020-21 (अप्रैल 2019 से मार्च 2020) के पूरे साल में केवल 11,246 करोड़ रुपए का फायदा कमाया था। चालू वित्तवर्ष यानी अप्रैल से लेकर सितंबर की बात करें तो छमाही में इसे 22,682 करोड़ रुपए का फायदा हुआ है।

दो कारणों से बढ़ा ओएनजीसी का फायदा

ओएनजीसी के फायदे में इतनी जबर्दस्त बढ़त के दो कारण हैं। एक तो कच्चे तेल की कीमतें 41 डॉलर से बढ़कर 69 डॉलर पर पहुंच गईं। दूसरे कंपनी ने एकमुश्त टैक्स का लाभ उठाया। एकमुश्त टैक्स के मामले में उसे 8,541 करोड़ रुपए का फायदा हुआ। ओएनजीसी को तेल और गैस प्रोडक्शन में कमी के बावजूद यह मुनाफा हुआ है।

2019 में सरकार ने इनकम टैक्स एक्ट में किया था सुधार

इनकम टैक्स एक्ट 1961 में 2019 में सरकार ने सुधार किया था। इसके मुताबिक, भारत में जो कंपनियां हैं, वे कॉर्पोरेट इनकम टैक्स में 22 फीसदी पेमेंट का विकल्प चुन सकती हैं। इस पर सरचार्ज और सेस लागू होगा। इससे पहले यह टैक्स 30 फीसदी का था। इसके लिए कुछ शर्तों का पालन करना होता है। ओएनजीसी का रेवेन्यू सितंबर तिमाही में 44 फीसदी बढ़कर 24,353 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले सितंबर तिमाही में यह रेवेन्यू 18,348 करोड़ रुपए था। हालांकि, इसकी सभी कंपनियों का रेवेन्यू जोड़ लें तो कुल 1.22 लाख करोड़ रुपए हो जाता है। जो सितंबर 2020 में 83,619 करोड़ रुपए था।

भारत एशिया में तेल के रिफाइनिंग का महत्वपूर्ण हब:- भारत एशिया में तेल के रिफाइनिंग का महत्वपूर्ण हब है। इसकी सालाना क्षमता 249.36 मिलियन टन की है। इसके पास 23 रिफाइनरीज हैं। भारत ने कच्चे तेलों के आयात पर वित्तवर्ष 2021 में 62.71 अरब डॉलर खर्च किया था।

पॉलिसी बाजार ने दिया 17 फीसदी का फायदा, सिगाची ने मचाया धमाल

निवेशकों को 252 फीसदी का फायदा मिला, शेयर अपर सर्किट पर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

हफ्ते के पहले दिन आज 3 कंपनियों के शेयर्स स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हुए। यह तीनों आईपीओ इस महीने की शुरुआत में आए थे। सिगाची का शेयर आईपीओ प्राइस की तुलना में 252 फीसदी पर स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हुआ है। जबकि स्छ्वस् के शेयर ने निराश किया है। पॉलिसी बाजार का शेयर 17 फीसदी ज्यादा भाव पर लिस्ट हुआ है।

तीनों इश्यू 1-3 नवंबर के बीच खुले थे

तीनों इश्यू 1-3 नवंबर के बीच खुले थे। पॉलिसी बाजार का ग्रे मार्केट प्रीमियम 300 रुपए से गिरकर 60 रुपए पर आ गया था। इसने 940 से 980 रुपए के भाव पर आईपीओ लाया था। बाजार से इसने 5,625 करोड़ रुपए जुटाया था। यह शेयर 1,150 रुपए पर लिस्ट हुआ। यानी इसने 17 फीसदी का फायदा निवेशकों को दिया है। हालांकि बाद में यह 4 फीसदी तेजी के साथ 1,189 रुपए पर कारोबार कर रहा था। जबकि इसका एक साल का हाई 1,205 रुपए भी टच हुआ। इसका मार्केट कैप 53 हजार करोड़ रुपए है।

अपर और लोअर प्राइस बैंड 20 फीसदी का है

अपर और लोअर प्राइस बैंड 20 फीसदी का है। कंपनी का इश्यू 16.58 गुना भरा था। इसे कुल 56 हजार करोड़ रुपए के लिए बिड मिला था। यह ऑन लाइन इंश्योरेंस के बिजनेस में शामिल है। रिटेल का हिस्सा इसमें 3.31 गुना भरा था। कंपनी ने नए इश्यू से 3,750 करोड़ रुपए जुटाए जबकि ऑफर फॉर सेल के जरिए 1,960 करोड़ रुपए जुटाए हैं। कंपनी को वित्तवर्ष 2021 में 150 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। जून तिमाही में 110 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था।

सिगाची 125 करोड़ रुपए जुटाने के लिए उतरी थी

सिगाची बाजार से 125 करोड़ रुपए जुटाने के लिए उतरी थी। इसने अपना मूल्य 161 से 163 रुपए तय किया था। हाल में लिस्टिंग में सबसे ज्यादा फायदा देने वाली यह कंपनी बनी है। जो 2.52 गुना का फायदा दिया है। यानी 163 रुपए का निवेश 575 रुपए बन गया। ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम 100 फीसदी ऊपर था। पर इसने उससे दोगुना ज्यादा फायदा दिया। इसके आईपीओ को 102 गुना का रिस्पांस मिला था।

निवेश की बात:दुनिया में बढ़ रही महंगाई और अनिश्चितता, यह सोने में निवेश का सही समय

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सोने में एक बार फिर तेजी का रुझान है। दूसरी तरफ शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ा है। ऐसे में आपके मन में यह सवाल जरूर आ रहा होगा कि क्या यह सोने में निवेश करने का सही समय है? मौजूदा हालात के हिसाब से इसका जवाब हां है। अमेरिका में महंगाई ने कई दशकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वहां की आर्थिक विकास दर भी निचले स्तर पर आ गई है। दूसरी तरफ रूस, जर्मनी और चीन के कई इलाकों में कोविड महामारी की तीसरी लहर के चलते लॉकडाउन लगाने की नौबत आ गई है। ये हाल की घटनाएं हैं। इनके चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था की रिकवरी पटरी से उतरने की आशंका गहरा गई है। ऐसे में लोग एहतियातन सोने में निवेश बढ़ा देते हैं क्योंकि पता नहीं होता कि निकट भविष्य में अर्थव्यस्था किस दिशा में जाएगी।

महंगाई से बचाव का प्रभावशाली तरीका

करेंसी में उतार-चढ़ाव और महंगाई बढ़ने का निवेश पर गहरा असर होता है। इससे बचाव के लिए सोना सबसे अच्छा एसेट क्लास साबित होता है, क्योंकि महंगाई बढ़ने पर सोने की कीमत बढ़ने लगती है।

कम ब्याज दर का मिल रहा फायदा

भारतीय रिजर्व बैंक समेत तमाम देशों के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज दरें निचले स्तर पर रखी हैं। इसके चलते बैंक एफडी का प्रभावी रिटर्न निगेटिव हो गया और करेंसी कमजोर होने से सोने को जोरदार सपोर्ट मिलने लगा।

सोना सबसे लिक्विड एसेट, जब चाहें मिलता है पैसा:- सोना सबसे ज्यादा लिक्विड एसेट क्लास है। मसलन, यदि जरूरत पड़े तो इसे बेचकर कैश का इंतजाम करना बहुत आसान है। शेयर या बॉन्ड में निवेश सोने के मुकाबले कम लिक्विड होता है।

महामारी में स्टेबल परफॉर्मेंस दिया:- जब से कोविड महामारी शुरू हुई है, तब से इक्विटी समेत सभी एसेट क्लास में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया है। इक्विटी ने भी एक समय भारी गिरावट देखी है। लेकिन, सोने का प्रदर्शन कमोबेश स्थायी रहा है।

वीरसेंट रिन्यूएबल एनर्जी ट्रस्ट ने जुटाए 2,150 करोड़ रुपये

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

केकेआर समर्थित वीरसेंट रिन्यूएबल एनर्जी ट्रस्ट ने विभिन्न वित्तीय साधनों के जरिए 2 कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि वीरसेंट रिन्यूएबल एनर्जी ट्रस्ट (वीआरईटी) ने 3, 5 और 7 साल की समयावधि में अपने पहले निर्गम में 1,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। वीरसेंट रिन्यूएबल मुख्य रूप से विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) स्तर पर मौजूदा ऋण को पुनर्वित्त करने के साथ ही भविष्य के अधिग्रहण के लिए इस धनराशि का इस्तेमाल करेगी। इसके अलावा वीआरईटी ने एलएंडटी फाइनेंस के साथ दीर्घावधि वित्तपोषण के लिए अतिरिक्त 1,000 करोड़ रुपये का करार किया है। वीआरईटी ने अपनी नकदी स्थिति को बढ़ाने और क्रेडिट रेटिंग संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए टाटा कैपिटल से 150 करोड़ रुपये की कार्यशील पूंजी सुविधा का लाभ भी उठाया है। वीरसेंट इंफ्रास्ट्रक्चर के सीईओ संजय ग्रेवाल ने बयान में कहा कि यह अविश्वसनीय उपलब्धि वीआरईटी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो हमारी ऋण कोष जुटाने की क्षमताओं को दर्शाती है।

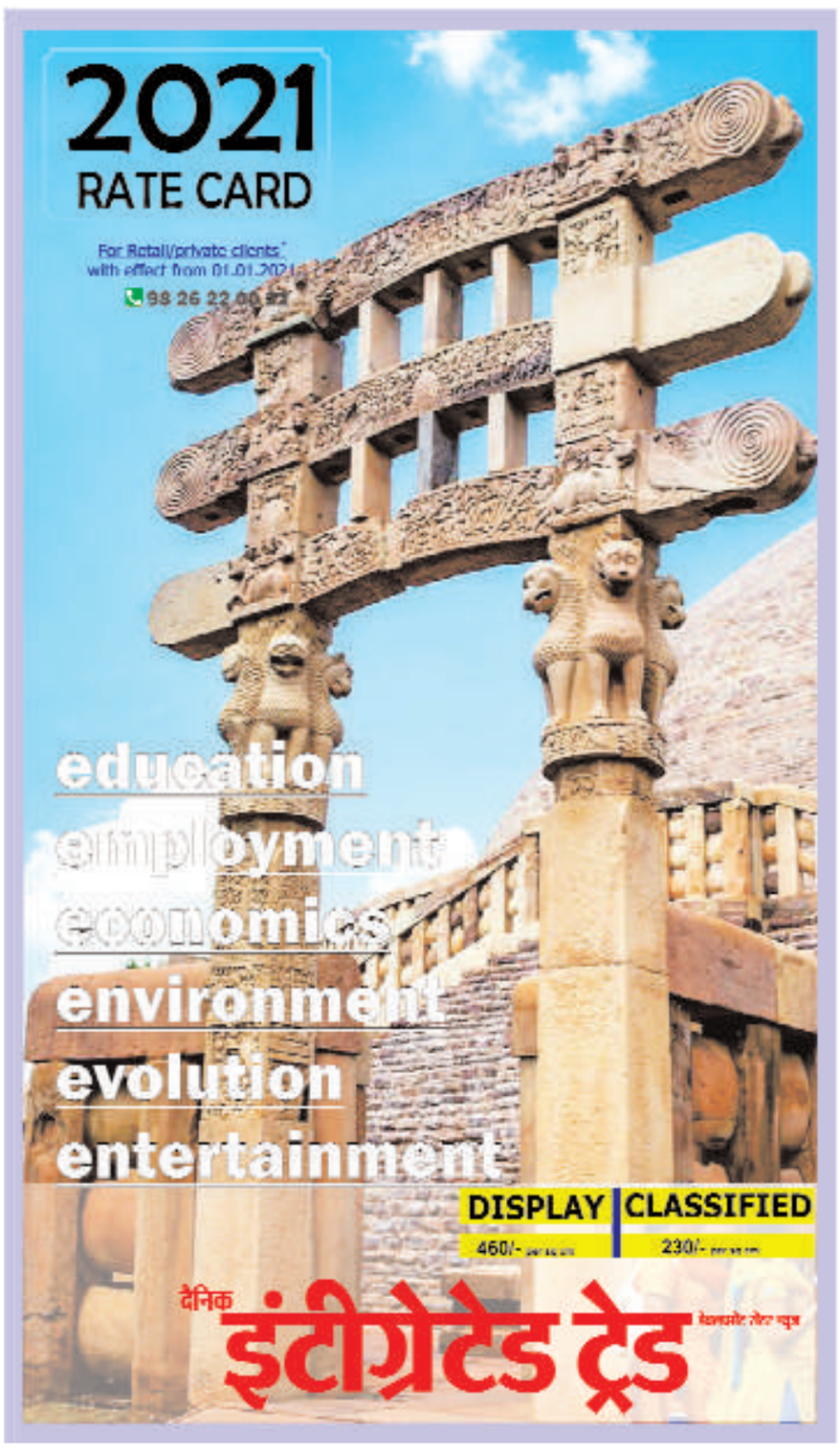

एफएमसीजी कंपनियों के मार्जिन पर रहेगा दबाव!

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रोजमर्रा का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियों ने जिंस महंगाई के असर को कम करने के लिए पिछली तिमाही में कीमतें बढ़ाई हैं और आगे कीमतें और बढ़ाने या उत्पादों का वजन कम करने की घोषणा की है। लेकिन इससे भी कंपनियों को चालू तिमाही में परिचालन लाभ मार्जिन के स्तर पर पर्याप्त मदद नहीं मिलेगी। उपभोक्ता कंपनियों और विश्लेषकों का मानना है कि जनवरी-मार्च तिमाही में कुछ राहत मिल सकती है। लेकिन अक्टूबर-दिसंबर तिमाही

में मार्जिन पर दबाव बना रह सकता है क्योंकि जिंस लागत लगातार ऊंची बनी हुई है। हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और मैरिको जैसी कंपनियों ने आगाह किया है कि निकट अवधि में मार्जिन पर दबाव बना रह सकता है क्योंकि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में प्रचार-प्रसार खर्च में बढ़ोतरी के आसार हैं। कंपनियां विज्ञापन खर्च बढ़ा रही हैं क्योंकि देश भर में आवागमन बढने और कोविड के मामले नियंत्रित रहने से अर्थव्यवस्था खुल रही है। देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी एचयूएल के सीएफओ ऋतेश तिवारी ने वित्तीय नतीजों के बाद निवेशकों को बताया, %हमारा अनुमान है कि आपूर्ति शृंखला के इस अवरोध के नतीजतन सामग्री की लागत पर कुछ समय असर रहेगा।% उन्होंने कहा कि कंपनी का अनुमान है कि निकट अवधि में मार्जिन पर दबाव रहेगा। रिन साबुन और डिटर्जेंट पाउडर बनाने वाली इस कंपनी ने कपड़ा धुलाई एवं घरेलू देखभाल पोर्टफोलियो में कीमतों में नपी-तुली बढ़ोतरी की है ताकि जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान कच्चे माल की ऊंची लागत की आंशिक भरपाई की जा सके। तिवारी ने निवेशकों को बताया कि एचयूएल उन श्रेणियों में लगातार कीमतें बढ़ा रही है, जिनमें कच्चा माल महंगा हो रहा है। मैरिको के एमडी और सीईओ सौगत गुप्ता ने कंपनी के वित्तीय नतीजों के बाद निवेशकों को बताया, सकल मार्जिन तीसरी और चौथी तिमाही में बढ़ेगा।

पीछे कोरोना, आगे चुनाव

करीब दो साल के अंतराल पर बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक ऐसे समय हुई है, जब पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की अहम चुनौती सामने है। दो साल का यह अंतराल भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पार्टी संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक अमूमन तीन महीने के अंतर पर होती है। मगर कोरोना महामारी के साये में गुजरे ये दो साल असाधारण उथल पुथल वाले रहे हैं। आश्चर्य नहीं कि सत्तारूढ़ पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस बैठक में ये दोनों पहलू छाये रहे।

मोदी-शाह के युग में चुनाव-दर-चुनाव जीत

कोरोना की दूसरी लहर की समाप्ति और सौ करोड़ से ज्यादा टीके लगाए जाने में कामयाबी की बदौलत पार्टी ने इस मोर्चे पर सरकार की मुक्त कंठ से तारीफ करते हुए उसे एक तरह से फुल मार्क्स दे दिए। जहां तक चुनावी चुनौतियों का सवाल है तो इसमें दो राय नहीं कि मोदी-शाह युग में चुनाव-दर-चुनाव जीत दर्ज कराने में बीजेपी का रेकॉर्ड खासा अच्छा रहा है और यह ट्रेंड बदल गया है या बदल रहा है ऐसा अब भी नहीं कहा जा सकता। इसके कमजोर पड़ने के कुछ संकेत जरूर हाल के दिनों में मिले हैं।

विधानसभा और लोकसभा उपचुनाव

ताजा उदाहरण तीन लोकसभा और 29 विधानसभा चुनाव क्षेत्रों के उपचुनाव नतीजों का है जिनमें बीजेपी का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। नॉर्थ ईस्ट के राज्यों में मिली सफलता पर हिमाचल प्रदेश की चारों सीटों में मिली नाकामी भारी रही। पार्टी में इसे लेकर चिंता स्वाभाविक रूप से होगी, मंथन भी चला होगा, लेकिन बीजेपी जैसी बड़ी पार्टियां छोटी नाकामियों को ध्यान में रखते हुए भी बड़ी कामयाबियों पर फोकस करते हुए चलना जानती हैं।

दक्षिण भारत के राज्यों में पैठ बनाने की योजना

इस कार्यकारिणी की बैठक से भी मोटा संदेश यही दिया गया कि पार्टी केरल, आंध्रप्रदेश जैसे उन राज्यों में अपनी पैठ बढ़ाने का काम हाथ में लेगी जहां वह नहीं पहुंच सकी है। पांच राज्यों के आगामी विधानसभा चुनावों के लिहाज से यूपी पार्टी के लिए सबसे अहम है और योगी किसी बीजेपी शासित राज्य के अकेले मुख्यमंत्री रहे जिन्हें इस बैठक में आमंत्रित किया गया था। राजनीतिक प्रस्ताव भी उन्होंने ही पेश किया। बैठक में सरकार की ओर से गरीबों के लिए शुरू की गई कल्याण योजनाओं को तो हाइलाइट किया ही गया, जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 के विशेष प्रावधान खत्म करने जैसे कदम की ऐतिहासिकता को भी रेखांकित किया गया।

जम्मू कश्मीर नीति को सफल बताया

2004 से 2014 के बीच आतंकी घटनाओं में मारे गए 2081 लोगों के मुकाबले 2014 से सितंबर 2021 के बीच हुई 239 नागरिकों की मौत के आंकड़ों के सहारे राजनीतिक प्रस्ताव में सरकार की जम्मू कश्मीर नीति को सफल बताया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कार्यकर्ताओं को मिशन मोड में लाने का प्रयास किया। बहरहाल, चाहे कोरोना से हुई लड़ाई की बात हो या आतंकवाद को काबू में करने की, पार्टी के इन दावों का असल परीक्षण पार्टी से बाहर के मंचों पर और आखिरकार जनता की अदालत में होना है। और, वहां इन्हें अन्य बातों के अलावा समय की

संपादकीय

हुए तुम दोस्त जिसके दुश्मन उसका आसमां क्यूं हो

क्या सलमान खुर्शीद की मुख्य पहचान एक लेखक की है? जिसके लिए लिखना ही प्रतिबद्धता है? या वे एक नेता हैं जिसका काम समयानुरुप लिखना या बोलना है। नेता की प्रतिबद्धता किसके प्रति है। अपनी पार्टी की। उसके हानि लाभ की। यह सामान्य बातें हैं। हर समझदार नेता फालो करता है। राहुल गांधी भी। हैं कुछ उदाहरण ऐसे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी इस समय दिल से किन लोगों को धन्यवाद-धन्यवाद कह रहे होंगे? निश्चित ही रूप से प्रधानमंत्री मोदी या अमित शाह को नहीं। अपनी पार्टी के किसी और नेता को नहीं, बल्कि कांग्रेस के मुसलमान नेताओं को। एक दो नहीं बल्कि पूरे तीन नेताओं को। अखिलेश यादव का जिन्ना संबंधी बयान जो काम नहीं कर पाया। वह इस समय गैर जरूरी तौर पर लाई सलमान खुर्शीद की किताब और उस पर गुलाम नबी आजाद का त्वरित गति का ट्वीट और राशिद अलवी का भाषण कर गया। योगी जो पिच यूपी चुनाव से पहले बिछाना चाहते थे वे अमित शाह शुक्रवार, नमाज, हाई वे की कहानी बनाकर भी नहीं बिछा पाए थे। खुद वे अब्बाजान और अखिलेश के उससे भी आगे निकलकर जिन्ना तक पहुंचने के बाद भी नहीं बन पाई थी। वह एक झटके से कांग्रेस के इन नेताओं ने (इनके नाम के आगे क्या विशेषण लगाएं? तीनों ही बहुत सीनियर हैं। मगर सोए हुए या जानबूझ कर जाग कर करते हुए क्या कहें?) बिछा दी। यह ऐसा ही जैसे आस्ट्रेलिया या वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों से भरी टीम भारत आ रही हो और यहां उनके लिए हरी उछाल वाली पिचें बनाकर अपने बल्लेबाजों की कब्रगाह बना दी जाए। हिन्दू-मुसलमान भाजपा का प्रिय विषय। क्या सलमान खुर्शीद को नहीं मालूम था कि हिन्दू या हिन्दुत्व पर लिखने से और वह भी तुलनात्मक क्या असर होगा? यह वकील हैं क्या इन्हें नहीं मालूम कि अपने मुवक्किल के बचाव में यह कहना कि पहले भी ऐसा अपराध हुआ था या वह भी ऐसा कर रहा है कहने से उनके क्लाइंट को कोई फायदा मिलना तो दूर उसे उल्टा नुकसान हो जाएगा। सद्इच्छा से यह कहना कि इतनी बड़ी किताब में सिर्फ एक लाइन है सलमान के बचाव का कोई मजबूत तर्क नहीं है। एक लाइन क्या एक शब्द था-अंधा! जन मान्यता है कि इस एक शब्द (अंधे के अंधे ही होते हैं) जो द्रोपदी ने बोला था ने ही पूरी महाभारत करवा दी थी। बड़ा सवाल यह है कि क्या सलमान खुर्शीद की मुख्य पहचान एक लेखक की है? जिसके लिए लिखना ही प्रतिबद्धता है? या वे एक नेता हैं जिसका काम समयानुरुप लिखना या बोलना है। नेता की प्रतिबद्धता किसके प्रति है। अपनी पार्टी की। उसके हानि लाभ की। यह सामान्य बातें हैं। हर समझदार नेता फालो करता है। राहुल गांधी भी। हैं कुछ उदाहरण ऐसे। दलित, महिला, अल्पसंख्यक, गरीब या ओबीसी, कमजोर वर्ग के कुछ मामलों में राहुल कड़ा स्टेंड लेना चाहते थे। मगर पार्टी के समझाने से कि यह आज की स्थिति में जुल्म के शिकार की इतनी मदद नहीं कर पाएगा और माहौल खराब करने वालों के लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकता है राहुल ने माना। यह उदाहरण इसलिए बताना पड़ रहा है कि आज की राजनीति में राहुल व्यवहारिक राजनीति से आदर्श की तरफ जाने वाले कम नेताओं में से एक हैं। साथ ही अध्यक्ष पद छोड़ देने और निस्पृह भाव दिखाने से उनके लिए कई बार तात्कालिक राजनीतिक फायदे-नुकसान अहमियत खोने लगते हैं। ऐसे में उन्हें वास्तविकता के धरातल पर लाना एक मुश्किल काम है। मगर पार्टी के लिए और व्यापक उद्देश्यों के लिए राहुल भी मन मारकर मानते हैं। इस समय विभाजनकारी नीतियों पर, नफरती राजनीति पर हिन्दू खुद बड़े निशाने पर हैं। किसी भी समाज में साम्प्रदायिकता के खिलाफ वहां के बहुसंख्यक समाज का स्टेंड ही सबसे प्रभावी होता है। भारत में हिन्दुओं के लिए यह भूमिका नई है मगर वे बहुत साहस और प्रतिबद्धता से निभा रहे हैं। भारत में बहुसंख्यक सांप्रदायिकता कभी भी बड़े पैमाने पर नहीं रही। यहां आडवानी के छद्म धर्मनिरपेक्षता शब्द के जरिए जहर फैलाने से पहले तक वास्तविक अर्थों में सांप्रदायिक सद्भाव का माहौल था। लेकिन आडवानी ने धर्मनिरपेक्षता को ही शक के दायरे में लाने के लिए एक शब्द गढ़ा सूडो सेक्यूलरिज्म (छद्म धर्मनिरपेक्षता) और मीडिया के जरिए इसे इतना प्रचारित कर दिया कि लोग धर्मनिरपेक्षता शब्द के सुनकर ही गलत नतीजों पर पहुंचने लगते थे। यह भी एक ही शब्द का जहर था। जैसा सलमान के लिखे के बचाव में कुछ मित्र कह रहे हैं कि एक ही शब्द तो है। मगर यहां सवाल सबसे बड़ा और प्रमुख यह है कि इसकी जरूरत क्या थी? जैसा अखिलेश यादव के मामले में था कि उन्हें इस समय जिन्ना का नाम लेने की जरूरत क्या थी? कंगना रानौत वोट थोड़े ही कम करेगी, बढ़ा ही सकती है। मगर अखिलेश सपा के और सलमान कांग्रेस के वोट तो थोड़े कम करेंगे लेकिन भाजपा के बढ़ा कई गुना सकते हैं। अखिलेश तो अभी युवा हैं। उनसे गलती हो सकती है। मगर सलमान तो अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में शुमार होने वाले थे। अहमद पटेल के न रहने, आजाद के बागी होने के बाद कांग्रेस में कोई बड़ा मुस्लिम फेस नहीं बचा था। तारीक अनवर ने कांग्रेस में आने के बाद जैसी वापसी सोची थी वे कर नहीं पाए। ऐसे में यूपी के चुनाव सलमान के लिए एक अच्छा मौका थे। मगर अपनी पहले की गैर-जिम्मेदारी भरी टिप्पणियों की तरह इस बार भी सलमान ऐन मौके पर कांग्रेस के लिए समस्या बन गए। 2014 के चुनाव में उन्होंने इसी तरह बेवजह अरविन्द केजरीवाल को फर्रुखाबाद आकर सुरक्षित वापस जाने को चैलेंज किया था। उस समय केजरीवाल कुछ नहीं थे। मगर सलमान के उन्हें इस तरह ललकारने की वजह से वे आज दिल्ली के अलावा पंजाब, उत्तराखंड और दूसरे कई राज्यों में बड़े चैलेंज बन गए हैं।

अब प्रदूषण के लिए भी किसान जिम्मेदार

देश में दीपावली के बाद से वायु प्रदूषण बेहद बढ़ गया है। ऐसा कोई पहली बार नहीं हुआ है। साल दर साल ऐसा ही होता जा रहा है। पिछले कुछ बरसों में इसे लेकर कुछ जागरुकता फैलना की कोशिश भी जा रही है। लोगों से अपील की जा रही है कि बिना पटाखों के दीपावली मनाएं, लेकिन समाज का एक बड़ा तबका इसे हिंदू धर्म पर प्रहार की तरह देखता है। धूल, धुएं और शोर के साथ दीपावली मनाना वह अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानता है। इस तबके के पास लाखों रूपए पटाखों पर उड़ाने के लिए होते हैं। कोई अपने पैसे कैसे उड़ाए, ये उसकी मर्जी है, लेकिन जब पटाखों से दूसरों की जान पर बन आती है, तो सवाल उठना लाजिमी है। इस समस्या का निवारण करने का जिम्मा सरकार का है, लेकिन सरकार इसमें भी दूसरों का दोष निकालने में लगी है। गौरतलब है कि हाल ही में जारी दुनियाभर के एयर क्वालिटी इंडेक्स पर निगरानी रखने वाली संस्था आईक्यू एयर के वायु गुणवत्ता सूचकांक में 10 शहरों की सूची में 556 अंकों के साथ दिल्ली टॉप पर है, कोलकाता 177 एक्यूआई के साथ चौथे नंबर पर और 169 एक्यूआई के साथ मुंबई छठे नंबर पर रहा है। दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में 3 तो भारत में ही हैं और उसमें भी दिल्ली सबसे अधिक प्रदूषित है। बधाई हो मोदी सरकार को, जिसके राज में भारत केवल गलत चीजों में टॉप पर रह रहा है। भूख के मामले में हम आगे रहे, कुपोषण के मामले में हम आगे रहे, मानवाधिकार हनन और लोकतंत्र के लिए खतरनाक परिस्थितियां हमारे यहां बनीं, कोरोना में तो हम रिकार्ड ब्रेक करने ही वाले थे और अब प्रदूषण में भी हमने दुनिया को पीछे कर दिया है।

सरकार कह सकती है कि प्रदूषण के आंकड़ों में गड़बड़ी है, क्योंकि भूख के मामले में यही कुतर्क पेश किया गया था। लेकिन जब सांस लेने में घुटन महसूस हो तो, हवा कैसी है, ये समझने के लिए किसी आंकड़े की जरूरत नहीं पड़ती। सरकार की लापरवाही और एयर प्यूरीफायर घर में रखने वाले अमीरों की

बदतमीजी के कारण दीपावली पर खूब पटाखे चले, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के साथ-साथ पर्यावरण की भी धज्जियां उड़ीं। शनिवार को प्रदूषण के मुद्दे पर दायर एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसमें मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण ने सीधे सरकार से सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि आप देख रहे हैं कि स्थिति कितनी खतरनाक है। हमें घरों पर भी मास्क लगाकर बैठना पड़ेगा। आखिर क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इस पर केंद्र की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वायु प्रदूषण का पहला कारण पराली जलाया जाना है। श्री मेहता ने कहा कि किसानों को पराली जलाने से रोकने के लिए कुछ नियम होने चाहिए, जिससे राज्य सरकारें उन पर कार्रवाई कर सकें।

सॉलिसिटर जनरल की इस मांग पर मुख्य न्यायाधीश ने सवाल उठाते हुए कहा- आप ऐसे कह रहे हैं कि सारे प्रदूषण के लिए किसान जिम्मेदार हैं। आखिर इसे रोकने का तंत्र कहा है? उन्होंने कहा- %प्रदूषण में कुछ हिस्सा पराली जलने का हो सकता है, लेकिन बाकी दिल्ली में जो प्रदूषण है वो पटाखों, उद्योगों और धूल-धुएं की वजह से है। हमें तत्काल इसे नियंत्रित करने के कदम बताएं। अगर जरूरत पड़े तो दो दिन का लॉकडाउन या कुछ और कदम लीजिए। ऐसी स्थिति में आखिर लोग जिएंगे कैसे?% वहीं जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा, %कोरोना महामारी के बाद स्कूल भी खोल दिए गए हैं। हमने अपने बच्चों को इस स्थिति में खुला छोड़ा है।

डॉक्टर गुलेरिया कहते हैं कि जहां प्रदूषण है, वहां ये महामारी है।% किसानों द्वारा पराली जलाए जाने के मुद्दे पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि वह भी एक किसान हैं और मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण भी एक किसान परिवार से आते हैं। उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि गरीब-सीमांत किसान पराली प्रबंधन के लिए मशीन नहीं खरीद सकते हैं। मैं एक किसान हूं और मैं जानता हूं। जस्टिस सूर्यकांत ने यह भी कहा कि वायु प्रदूषण के लिए किसानों को दोष देना फैशन बन गया है। सरकार ने पूरी कोशिश की कि किसानों पर वायू प्रदूषण का जिम्मा डाल कर खुद मुक्त हो जाए, मगर गनीमत है कि देश की सर्वोच्च अदालत ने मोदी सरकार की मनमानी नहीं चलने दी। वैसे इस महीने की शुरुआत में ग्लासगो में 26वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन (कॉप 26) को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत की ओर से पंचामृत दुनिया को दिया था।

पंचामृत मतलब पांच इरादे जतलाए थे- पहला- भारत, 2030 तक अपनी गैर जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक पहुंचाएगा। दूसरा- भारत, 2030 तक अपनी 50 प्रतिशत ऊर्जा की जरूरत अक्षय ऊर्जा से पूरी करेगा। तीसरा- भारत अब से लेकर 2030 तक के कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में एक बिलियन (अरब) टन की कमी करेगा। चौथा- 2030 तक भारत, अपनी अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता (इन्टेंसिटी) को 45 प्रतिशत से भी कम करेगा। और पांचवा- वर्ष 2070 तक भारत, नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि विश्व की आबादी का 17 प्रतिशत होने के बावजूद, भारत केवल पांच प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेवार है। बावजूद इसके भारत ने अपना कर्तव्य पूरा करके दिखाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी है। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण को लेकर संतों की तरह प्रवचन भी दुनिया के सामने दिया था। पंचामृत के तहत जो इरादे प्रधानमंत्री ने जतलाए हैं, वो अगले साल तक भी लोगों को याद रहेंगे या नहीं, कहा नहीं जा सकता, जबकि पंचामृत की सारी बातों के लिए समयसीमा 2030 तक रखी गई है। इन नौ सालों में तो दुनिया में न जाने कितने बदलाव हो जाएंगे। लेकिन देश में प्रदूषण के हालात बदलेंगे या नहीं कहा नहीं जा सकता। सरकार का पंचामृत न जाने कहां बंट रहा है, जनता के हिस्से तो केवल धूल, धुआं और धोखा ही आ रहा है।

नेहरू ही हैं आधुनिक भारत के निर्माता

जहां सरदार पटेल ने भारत को भौगोलिक दृष्टि से एक राष्ट्र बनाया वहीं नेहरू ने ऐसा राजनीतिक-आर्थिक एवं सामाजिक आधार निर्मित किया जिससे भारत की एकता, अखण्डता व प्रजातंत्र इतना सशक्त हुआ कि आज कोई ताकत खत्म नहीं कर सकती। इस तरह आधुनिक भारत के निर्माण में पटेल और नेहरू दोनों का महत्वपूर्ण योगदान है। हमारे देश के कुछ संगठन, विशेषकर संघ परिवार के सदस्य, जब भी सरदार वल्लभभाई पटेल की चर्चा करते हैं तब उनके बारे में दो बातें अवश्य कहते हैं। पहली यह कि सरदार पटेल आज के भारत के निर्माता हैं और दूसरी यह कि यदि कश्मीर की समस्या सुलझाने का उत्तरदायित्व सरदार पटेल को दे दिया जाता तो आज पूरे कश्मीर पर भारत का कब्जा होता। संघ परिवार का हमेशा यह प्रयास रहता है कि आजाद भारत के निर्माण में जवाहरलाल नेहरू की भूमिका को कम करके पेश किया जाये और यह भी कि आज यदि पूरा कश्मीर हमारे कब्जे में नहीं है तो उसके लिये सिर्फ और सिर्फ नेहरू जिम्मेदार हैं। संघ परिवार इस बात को भूल जाता है कि आजाद भारत में पंडित नेहरू और सरदार पटेल की अपनी-अपनी भूमिकाएं थीं। जहां सरदार पटेल ने अपनी सूझबूझ से सभी राजे-रजवाड़ों का भारत में विलय करवाया और भारत को एक राष्ट्र का स्वरूप दिया वहीं नेहरू ने भारत को एक शक्तिशाली आर्थिक नींव देने के लिए आवश्यक योजनाएं बनाईं और उनके क्रियान्वयन के लिए उपयुक्त वातावरण भी। नेहरू जी के योगदान को तीन भागों में बांटा जा सकता है। पहला, ऐसी शक्तिशाली संस्थाओं का निर्माण, जिनसे भारत में प्रजातांत्रिक व्यवस्था स्थायी हो सके। इन संस्थाओं में संसद एवं विधानसभाएं व पूर्ण स्वतंत्र न्यायपालिका शामिल हैं। दूसरा, प्रजातंत्र को जिंदा रखने के लिये निश्चित अवधि के बाद चुनावों की व्यवस्था और ऐसे संवैधानिक प्रावधान जिनसे भारतीय प्रजातंत्र धर्मनिरपेक्ष बना रहे। तीसरा, मिश्रित अर्थव्यवस्था और उच्च शिक्षण संस्थानों की बड़े पैमाने पर स्थापना। वैसे नेहरू समाजवादी व्यवस्था के समर्थक नहीं थे परंतु वे भारत को पूंजीवादी देश भी नहीं बनाना चाहते थे। इसलिये उन्होंने भारत में एक मिश्रित अर्थव्यवस्था की नींव रखी। इस व्यवस्था में उन्होंने जहां उद्योगों में निजी पूंजी की भूमिका बनाये रखी वहीं अधोसंरचनात्मक उद्योगों की स्थापना के लिये सार्वजनिक क्षेत्र का निर्माण किया। उन्होंने कुछ ऐसे उद्योग चुने जिन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में ही रखा गया। ये ऐसे उद्योग थे जिनके बिना निजी उद्योग पनप ही नहीं सकते थे। बिजली का उत्पादन पूरी तरह से सार्वजनिक क्षेत्र में रखा गया। इसी तरह इस्पात, बिजली के भारी उपकरणों के कारखाने, रक्षा उद्योग, एल्यूमिनियम एवं परमाणु ऊर्जा भी सार्वजनिक क्षेत्र में रखे गए। देश में तेल की खोज की गई और पेट्रोलियम की रिफाईनिंग व एलपीजी का बाटलिंग का काम भी केवल सार्वजनिक क्षेत्र में रखे गये। औद्योगिकीकरण की सफलता के लिये तकनीकी ज्ञान में माहिर लोगों की आवश्यकता होती है। उद्योगों के संचालन के लिये प्रशिक्षित प्रबंधक भी चाहिए होते हैं। उच्च तकनीकी शिक्षा के लिये आईआईटी स्थापित किये गये। इसी तरह, प्रबंधन के गुर सिखाने के लिए आईआईएम खोले गए। इन उच्चकोटि के संस्थानों के साथ-साथ संपूर्ण देश के पचासों छोटे-बड़े शहरों में इंजीनियरिंग कालेज व देशवासियों के स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिये मेडिकल कॉलेज स्थापित किये गये। चूंकि अंग्रेजों के शासन के दौरान देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई थी इसलिये उसे वापिस पटरी पर लाने के लिये अनेक बुनियादी कदम उठाये गये। उनमें सर्वाधिक महत्वपूर्ण था देश का योजनाबद्ध विकास। इसके लिये योजना आयोग की स्थापना की गई। स्वयं नेहरू जी योजना आयोग के अध्यक्ष बने। योजना आयोग ने देश के चहुंमुखी विकास के लिये पंचवर्षीय योजनाएं बनाईं। उस समय पंचवर्षीय योजनाएं सोवियत संघ सहित अन्य समाजवादी देशों में लागू थीं परंतु पंचवर्षीय योजना का ढांचा एक ऐसे देश में लागू करना नेहरू जी के ही बूते का था जो पूरी तरह से समाजवादी नहीं था। उस समय भारत के सामने एक और समस्या थी बुनियादी उद्योगों के लिये वित्तीय साधन उपलब्ध करवाना। पूंजीवादी देश इस तरह के उद्योगों के लिये पूंजी निवेश करने को तैयार नहीं थे। इन देशों का इरादा था कि भारत और भारत जैसे अन्य नव-स्वाधीन देशों की अर्थव्यवस्था कृषि-आधारित बनी रहे। चूंकि पूंजीवादी देश भारत के औद्योगिकीकरण में हाथ बंटाने को तैयार नहीं थे इसलिये नेहरू जी को सोवियत रूस समेत अन्य समाजवादी देशों से सहायता मांगनी पड़ी और समाजवादी देशों ने दिल खोलकर सहायता दी। समाजवादी देशों ने सहायता देते हुये यह स्पष्ट किया कि वे यह सहायता बिना किसी शर्त के दे रहे हैं। समाजवादी देशों की इसी नीति के अन्तर्गत हमें सार्वजनिक क्षेत्र के पहले इस्पात संयंत्र के लिये सहायता मिली और यह प्लांट भिलाई में स्थापित हुआ। जब पूंजीवादी देशों को यह महसूस हुआ कि यदि वे अपनी नीति पर चलते रहे तो वे समस्त नव-स्वाधीन देशों का समर्थन खो देंगे और उन्हें भारी नुकसान होगा तब उन्होंने भी भारी उद्योगों के लिये सहायता देना प्रारंभ किया। इस तरह, धीरे-धीरे हमारा देश भारी उद्योगों के मामले में काफी प्रगति कर गया। आजादी के बाद जब हमें समाजवादी देशों से उदार सहायता मिलने लगी तो हमारे देश के प्रतिक्रियावादी राजनैतिक दलों और अन्य संगठनों ने यह आरोप लगाना प्रारंभ कर दिया कि हम सोवियत कैम्प की गोद में बैठ गये हैं। द्वितीय महायुद्ध के बाद विश्व दो गुटों में विभाजित हो गया था। एक गुट का नेतृत्व अमेरिका कर रहा था और दूसरे गुट का सोवियत संघ। भारत ने यह फैसला किया कि वह दोनों में से किसी गुट में शामिल नहीं होगा।

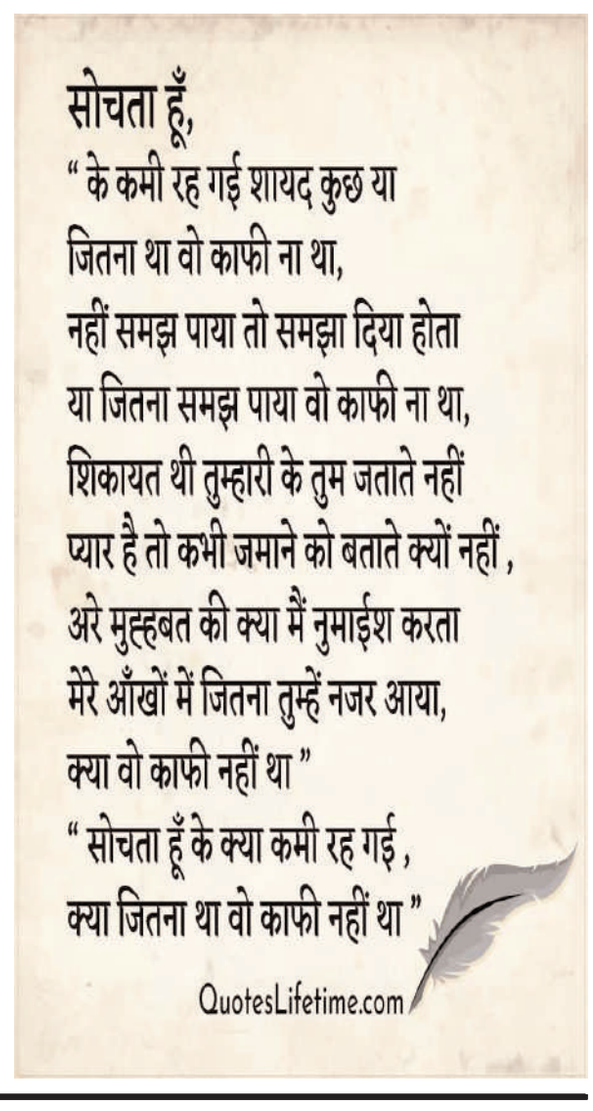

क्या आपको भी है हाइट को लेकर ये गलतफहमी ? जानें सच्चाई

इन दिनों लोगों की हाइट बहुत छोटी रह जाती है। पुराने जामने की बात हो, तो उस जमाने में लोगों की हाइट काफी लंबी होती थी। अगर उसके मुताबिक देखा जाए तो मौजूदा समय में लोगों की हाइट काफी कम होती जा रही है। ऐसे में लाइफ में कभी न कभी परिवारजनों को बच्चे की हाइट को लेकर चिंता जरूर सताती है। कई माता-पिता बच्चों को जबरन डॉक्टर से कई महीनों तक इलाज करवाते हैं, तो वहीं कुछ ऐसे भी हैं जो कई तरह की चीजों को अपनाते हैं। हालांकि हर कोई इस बात से अनजान होता है कि क्या सच में ये चीजे काम करती भी हैं या नहीं। इन दिनों बाजार में कई तरह के प्रोडक्ट मिल रहे हैं, जो हाइट बढ़ाने का दावा करते हैं। ऐसे में कुछ ऐसी बातें जो वैज्ञानिक रूप से गलत हैं। इसलिए आज उन मिथकों को दूर करने और वास्तविक तथ्यों को बताने वाले हैं। तो चलिए जानते हैं।

मिथ 1- हाइट परिवार वालों पर निर्भर करती है

अधिक्तर लोगों का मानना होता है कि हाइट जीन पर निर्भर करती है और यदि माता पिता लंबे हैं तभी आप लंबे होंगे। हालांकि यह सच है कि जीन आपकी हाइट में एक महत्तवपूर्ण भूमिका निभाते हैं लेकिन यह मानना गतल है कि ये आपकी हाइट को प्रभावित करने वाला एक मात्र कारक है। जीन के अलावा, स्वस्थ लाइफस्टाइल, संतुलित आहार, व्यायाम, सही पोश्चर, हार्मोनल बैलेंस और अच्छी नींद आपकी हाइट को प्रभावित करने वाले महत्तवपूर्ण कारक है।

मिथ 2- यौवन के बाद हाइट नहीं बढ़ती

यह सबसे आम मिथक है, जिसे सभी ने सुना होगा। खैर, यह फिर से बिल्कुल निराधार धारणा है। तथ्य है कि यौवन आपके विकास को नहीं रोकता, हार्मोन की ग्रोथ में कमी के कारण ऐसा होता है। अगर यौवन के बाद भी हार्मोन के विकास का पर्याप्त उत्पादन है तो आपकी हाइट नहीं रुकेगी। मासिक धर्म के बापद भी लड़कियां लंबी हो सकती है।

मिथ 3- वजन उठाने से हाइट रुक सकती है

व्यायाम से शरीर और रीढ़ को खिंचाव और बढ़ाने में मदद मिलती है और ये आपकी हाइट को प्रभावित करती है। हालांकि, शोल्डर प्रेस और स्क्वैट्स और इस तरह के अन्य अभ्यास से रीढ़ की हड्डी का संपीडन शामिल है। ऐसे में उन एक्सरसाइज को करने की सलाह दी जाती है जिसमें प्लीहा का एक्सपेंशन हो।

मिथ 4- हाइट सर्जरी सुरक्षित है

हाइट सर्जरी में आपकी हड्डियों को लंबे समय तक बढ़ने में मदद करने के लिए एक लंबे उपकरण का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं ये सर्जरी बहुत महंगी और जोखिम भरी है। आर्टीफिशियल इंप्लांटेशन हमेशा अच्छा नहीं होता। ऐसी सर्जरी से वस्कुलर, न्यूरोलोजिकल, मसल कॉन्ट्रेक्शन, ज्वॉइंट पैन जैसी बीमारियां हो सकती हैं।

मिथ 5 - कॉफी हाइट के विकास में बाधा बनती है

ये मिथ इसलिए ज्यादा प्रचलित था क्योंकि कॉफी में मौजूद कैफिन की मात्रा के कारण आपकी नींद के पैटर्न को संभावित रूप से परेशान कर सकता है। जिसके परिणामस्वरूप विकास में बाधा आ सकती है। अध्ययनों के अनुसार रोजाना 400 मिलीग्राम कैफीन का सेवन किया जा सकता है जबकि 18 वर्ष से कम उम्र के लोगों को इस पेय का 100 मिलीग्राम से अधिक सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसे में लंबाई बढ़ाने के लिए अच्छे पोश्चर का अभ्यास करना, एक्सरसाइज करना और अपने दैनिक जीवन को संतुलित रखने की जरूरत है।

स्किन टाइप के हिसाब से चेहरे पर लगाएं दालचीनी के ये तीन फेस मास्क, पिम्पल्स के निशान होंगे दूर

कभी-कभी ग्लोइंग स्किन पाने के लिए लोग चेहरे पर कोई भी फेस मास्क या क्रीम लगा लेते हैं। ऐसा करने चेहरे पर ग्लो की जगह पिम्पल्स की प्रॉब्लम्स शुरू हो जाती है। पिम्पल्स कुछ दिनों में ठीक भी हो जाते हैं लेकिन पिम्पल्स के निशान ठीक होने में काफी वक्त लग जाता है। ऐसे में पिम्पल्स के निशान को ठीक करने के लिए घरेलू उपाय सबसे बेस्ट ऑप्शन है। आज हम आपको स्किन टाइप के हिसाब से दाल चीनी का फेस मास्क बनाने के तरीके बता रहे हैं, जिससे एक्ने की समस्या दूर होने के साथ चेहरे पर नेचुरल ग्लो भी आएगा। दालचीनी में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जिससे पिम्पल्स की समस्या काफी हद तक कंट्रोल हो जाती है इसलिए आपको पिम्पल्स फ्री स्किन के लिए सप्ताह में दो बार दालचीनी का यह फेस मास्क जरूर लगाना चाहिए-

ऑयली स्किन के लिए

दालचीनी और शहद को मिलाकर ऑयली स्किन के लिए फेस मास्क बनाने के लिए आपको बस इन्हें दो चम्मच दालचीनी पाउडर में एक चम्मच शहद मिलाकर पेस्टन बनाना होगा। इस पेस्ट् को चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर ठंडे पानी से इसे धो लें। ऑयली स्किन पर पिम्पल्स बहुत जल्दी आ जाते हैं इसलिए आप एक बार पैच टेस्ट भी जरूर करें।

ड्राई स्किन के लिए

ड्राई स्किन में नमी की कमी होती है इसलिए स्किन पर कुछ भी लगाते ही खुजली होने लगती है। ड्राई स्किन के लिए फेस मास्क बनाने के लिए पके हुए केले का एक बड़ा चम्मसच लें और इसे एक चम्मच दही और आधा चम्मच दालचीनी के साथ मिलाएं। दही त्वचा को मॉइस्चराइज करने के साथ स्किन को ग्लोइंग बनाएगी।

सेंसिटिव या कॉम्बिनेशन स्किन के लिए

सेंसिटिव या कॉम्बिनेशन स्किन की सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि कुछ भी लगाने से रिएक्शन बहुत जल्दी हो जाता है। इसी कारण ऐसी स्किन वाले लोग अक्सर कंफ्यूज रहते हैं कि उन्हें स्किन पर क्या लगाना चाहिए। एक्स्ट्रा ऑयलीनेस और ड्राईनेस को कम करने के लिए आप दो चम्मच जैतून के तेल या नारियल के तेल के साथ एक चम्मच दालचीनी का मिश्रण इस्तेमाल कर सकते हैं। 15 मिनट के लिए इससे अपने चेहरे पर मालिश करें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे रेग्युलर लगाने से आपकी ज्यादातर स्किन प्रॉब्लम्स दूर हो जाएगी।

मिलावटी चीनी बिगाड़ न दे आपकी सेहत, ऐसे करें असली-नकली की पहचान

अगर आप भी उन लोगों में शामिल हैं जिनका दिन गर्मा-गर्म चाय की प्याली के साथ शुरू होता है या फिर उन लोगों में जिन्हें खाने में मीठा बहुत पसंद है तो यह खबर आपके लिए ही है। जी हां चाय हो या घर पर बनने वाली कोई भी मीठी डिश उसमें इस्तेमाल की जाने वाली चीनी अगर मिलावटी है तो आपकी सेहत को खतरा हो सकता है। ऐसे में आइए जानते हैं आखिर चीनी में होती है किन चीजों की मिलावट और कैसे आप मिलावटी चीनी की पहचान करके अपनी और परिवार की सेहत का ध्यान रख सकती हैं।

चीनी में होती है किन चीजों की मिलावट

चीनी में मिलावट करने के लिए सबसे ज्यादा सोडा का इस्तेमाल किया जाता है। चीनी, चॉक पाउडर और सोडा का रंग सफ़ेद होने की वजह से यह पानी में अच्छे से घुल जाते हैं। यही वजह है कि लोगों को चीनी में इन चीजों की मिलावट का पता नहीं चल पाता है।

चीनी में मिलावट पहचानने के लिए टिप्स

रिसोर्सिनोल की मदद से आप आसानी से चीनी में चॉक पाउडर के मिश्रण की मिलावट का पता लगा सकते हैं। इसके लिए एक बर्तन में दो से तीन चम्मच चीनी डालें। अब उसके ऊपर रिसोरसिनॉल डालें और मिक्स करके कुछ देर के लिए छोड़ दें। कुछ देर बाद अगर चीनी लाल रंग की हो जाए, तो समझ जाएं चीनी में चॉक पाउडर की मिलावट की गई है।

यूरिया के क्रिस्टल की भी होती है मिलावट

चीनी में यूरिया के क्रिस्टल की पहचान करना थोड़ा मुश्किल होता है, इसे लगभग हर कोई पहचान नहीं पाता है। ऐसे में आप एक गिलास पानी में एक से दो चम्मच चीनी डालकर अच्छे से मिला लें। इसके बाद इस घोल को सूंघ कर देखें, अगर मिश्रण से अमोनिया की गंध आ रही है, तो आप समझ जाएं कि चीनी में यूरिया क्रिस्टल की मिलावट की गई है।

ड्राई स्किन के लिए घर में बनाएं ऑयल, रूखी त्वचा से जल्द मिलेगा छुटकारा

बदलते मौसम में स्किन ड्राई होने की समस्या आम है, लेकिन ऐसी त्वचा बहुत ज्यादा परेशान करती है। वैसे तो बाजार में कई ऐसे प्रोडक्ट हैं जिनके इस्तेमाल से ड्राई स्किन से छुटकारा पाया जा सकता है, लेकिन घर पर बने एसेंशियल ऑयल स्किन के रूखेपन को कम करते हैं और स्किन को सोफ्ट और खुशबूदार बनाते हैं। बाजार में आपको कई एसेंशियल ऑयल मिल जाएंगे। हालांकि आप इन्हे घर पर भी बना सकते हैं। आइए, जानते हैं।

1) गुलाब की मदद से भी एसेंशियल ऑयल बनाया जा सकता है। इसे लगाने के बाद स्किन भी गुलाब के फूल की तरह सोफ्ट और खुशबूदार हो जाएगी। आप गुलाब का एसेंशियल ऑयल बना सकते हैं। इसे बनाने के लिए गुलाब की पंखुड़ियों की जरूरत होगी। आप बादाम के तेल में गुलाब की पंखुड़ियों को डालें और भिगने दें। पंखुड़ियों को तेल में अच्छी तरह मिला कर किसी कांच के जार में धूप में रख दें। फिर अगले दिन छान कर दोबारा गुलाब की नई पंखुड़िया डालें और दोबारा से रख दें। तीन बार ऐसा करने के बाद घान कर इसका इस्तेमाल करें।

2) नींबू एसेंशियल ऑयल भी घर में बनाया जा सकता है। नींबू में विटामिन सी होता है, जो स्किन के लिए अच्छा होता है। अगर आपको नींबू का एसेंशियल ऑयल बनाना है तो नींबू के छिलकों को नारियल के तेल में भिगोएं। इस कटोरी को गर्म पानी में रखें। पानी के बर्तन को गैस पर धीमी आंच पर रखें और गर्म करें। इसे धीरे-धीरे चम्मचे से चलाती रहें। जब खुशबू आने लगे तब गैस बंद कर दें। अब छानकर किसी कांच के या फिर प्लास्टिक की बोतल में रख दें। फिर इस्तेमाल करें।

वैज्ञानिकों ने विकसित किया अनोखा माडल, एआई के जरिए होगी अल्जाइमर की सटीक भविष्यवाणी

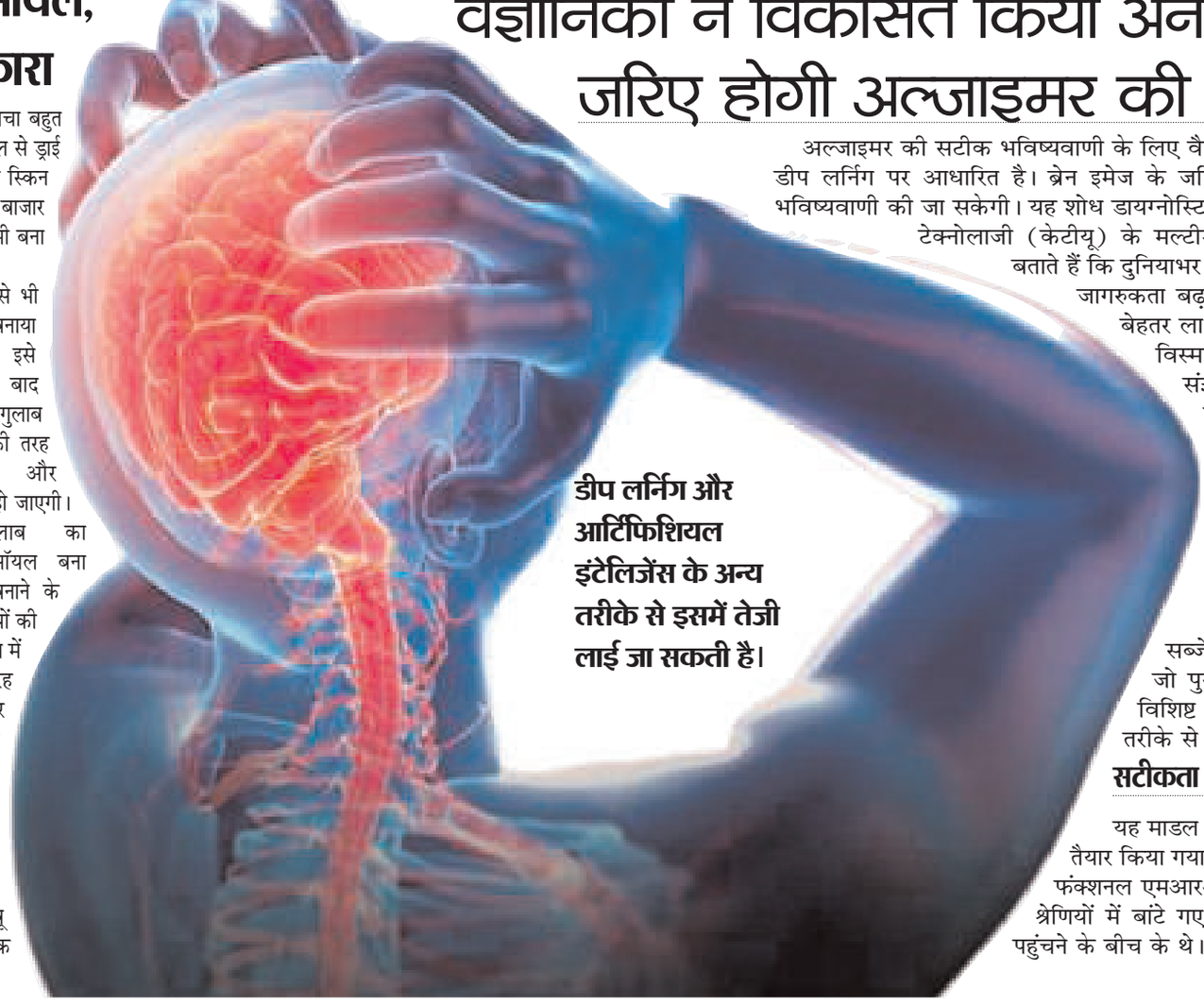

डीप लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अन्य तरीके से इसमें तेजी लाई जा सकती है।

अल्जाइमर की सटीक भविष्यवाणी के लिए वैज्ञानिकों की एक टीम ने एक माडल विकसित किया है जो डीप लर्निंग पर आधारित है। ब्रेन इमेज के जरिए इससे 99 फीसदी सटीकता के साथ अल्जाइमर की भविष्यवाणी की जा सकेगी। यह शोध डायग्नोस्टिक्स जर्नल में प्रकाशित हुई है। काउनास यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलाजी (केटीयू) के मल्टीमीडिया इंजीनियरिंग के शोधकर्ता रायटिस मस्केलियुनस बताते हैं कि दुनियाभर में डाक्टर अल्जाइमर के प्रारंभिक चरण में पहचान के लिए जागरुकता बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं ताकि प्रभावित लोगों को इलाज से बेहतर लाभ मिल सके। अल्जाइमर के खतरे का पहला संकेत हल्का विस्मरण होता है, जो उम्र बढ़ने और मनोभ्रंश की अपेक्षित संज्ञानात्मक गिरावट के बीच का चरण है। मस्तिष्क की स्कैनिंग की- शोधकर्ताओं ने इसके लिए अल्जाइमर से ग्रस्त रोगियों के मस्तिष्क के स्कैन का उपयोग किया है, जिसकी मदद से उनके डीप लर्निंग एल्गोरिदम ने मस्तिष्क में होने वाले संरचनात्मक परिवर्तनों को खोजना सीख लिया है।

एमआरआई इमेज के विश्लेषण पर आधारित

अल्जाइमर के खतरे की भविष्यवाणी का यह तरीका 138 सब्जेक्ट्स के एमआरआइ इमेज के विश्लेषण पर आधारित है, जो पुराने तरीके की तुलना में ज्यादा सटीक, संवेदनशील तथा विशिष्ट है। डीप लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अन्य तरीके से इसमें तेजी लाई जा सकती है।

सटीकता 99.95 फीसदी रही

यह माडल लिथुआनिया के एआई सेक्टर के शोधकर्ताओं के सहयोग से तैयार किया गया है। इसमें रेसनेट 18 रेसीड्युअल न्यूरल नेटवर्क में सुधार कर फंक्शनल एमआरआइ को वर्गीकृत किया गया है। ये इमेज छह अलग-अलग श्रेणियों में बांटे गए, जो एमसीआइ से लेकर अल्जाइमर रोग की स्थिति तक पहुंचने के बीच के थे। इस माडल की सटीकता 99.95 फीसद रही।

ड्रैगन को जवाब देने की तैयारी

एलएसी पर तैनात होंगी अमेरिका में बनीं एम-777 तोपें

मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत भारत में भी बनेंगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

लद्दाख में चीन के साथ जारी सीमा विवाद के बीच इंडियन आर्मी एम-777 अल्ट्रा-लाइट होवित्जर तोपों की संख्या बढ़ा रही है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने नवंबर 2016 में अमेरिका को 75 करोड़ डॉलर की लागत वाली 145 होवित्जर तोपों का ऑर्डर दिया था। जून 2022 तक आर्मी को 56 और एम-777 तोप मिलेंगी। अब तक 89 की डिलीवरी हो चुकी है। बता दें कि लद्दाख में एलएसी भारत और चीन के बीच 18 महीने से अधिक समय से तनाव चल रहा है। अरुणाचल प्रदेश में भी चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी गतिविधियां तेज कर रही है। एम-777 को बनाने वाली कंपनी बीएई सिस्टम्स ने 25 हॉवित्जर तोपों की डिलीवरी कर दी है। बाकी तोपें सरकार की मेक इन इंडिया पॉलिसी के तहत महिंद्रा डिफेंस के साथ भारत में बनाई जा रही हैं। इन तोपों की रेंज 30 किलोमीटर तक है, लेकिन अनुकूल परिस्थिति में रेंज 40 किमी से ज्यादा भी हो सकती है। हॉवित्जर को जरूरत के मुताबिक, एक जगह से दूसरे जगह ले जाया जा सकता है।

30 KM रेंज वाली बेहद हल्की तोप

चिनूक हेलिकॉप्टर से ले जाना संभव

ऊंचाई वाले इलाकों में तैनाती आसान

ऊंचाई वाले इलाकों में तैनाती आसान

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल एसएल नरसिम्हन (ने कहा- बाकी एम-777 के शामिल होने से सेना को बड़ी बढ़त मिलेगी। टाइटेनियम और एल्यूमीनियम से बनी हॉवित्जर का वजन करीब 4 हजार किलोग्राम है, लेकिन चिनूक हेलिकॉप्टर इसे ऊंचाई वाले इलाकों में ले जाने में सक्षम है। अरुणाचल प्रदेश में एक आर्टिलरी ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर संजीव कुमार ने पहले कहा कि ऐसे कई इलाके हैं, जहां भारी तोपों को तैनात नहीं किया जा सकता है, लेकिन एम-777 को चिनूक में स्लिंग-लोड कर तेजी से तैनात किया जा सकता है।

FARP के तहत खरीदे जाएंगे दूसरे हथियार

एम-777 सेना की फील्ड आर्टिलरी रिलेशनशिप प्लान का अहम हिस्सा है, जिसे 1999 में मंजूरी दी गई थी। 50 हजार करोड़ के FARP के तहत नेट्रैक सेल्फ प्रोपेल्ड गन, ट्रक-माउंटेड गन सिस्टम, टोड आर्टिलरी पीस और व्हील्ड सेल्फ प्रोपेल्ड गन सहित नए 155 मिमी हथियारों को शामिल करने के लिए रोड मैप तैयार किया गया है।

चीन के साथ बातचीत बेनतीजा

एम-777 के अलावा आर्मी ने K9 वज्र-T ऑटोमैटिक आर्टिलरी गन और 155 मिमी बोफोर्स को लद्दाख सेक्टर में तैनात किया है। निजी क्षेत्र की डिफेंस कंपनी लार्सन एंड टुब्रो और दक्षिण कोरिया की हनवा टेकविन ने भारत में एडवांस मोबाइल च9 बंदूकें बनाई हैं। इन तोपों को मैदानी इलाकों में तैनात किया जाना था, लेकिन सेना ने इन्हें ऊंचाई पर तैनात करने के लिए कुछ मामूली बदलाव किए हैं। भारत और चीन ने लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में एलएसी पर सीमा के दोनों ओर सैन्य गतिविधियों में इजाफा किया है। दोनों तरफ बड़ी संख्या में इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हो रहा है। जनरल रावत ने पिछले दिनों कहा कि परमाणु हथियार संपन्न दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को सुलझाने में विश्वास की कमी और संदेह आड़े आ रहा है। पिछले महीने भारत और चीन के मिलिट्री कमांडर्स के बीच 13वें राउंड की बातचीत बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई थी। दोनों पक्षों के बीच सीमा से पीछे हटने के मसले पर सहमति नहीं बन पाई है। इस कारण पिछले साल सीमा की सुरक्षा के लिए भेजे गए हजारों सैनिक अब बेस पर लंबे समय तक वापस नहीं लौटेंगे।

अफगानिस्तान में पाक की नई साजिश

आईएस के जिहादी ग्रुप्स को फंडिंग कर रही, ताकि वहां अस्थिरता फैले और तालिबान पर दबाव बना रहे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस अफगानिस्तान में छोटे जिहादी ग्रुप्स को सपोर्ट कर रही है। इन जिहादी ग्रुप्स की विचारधारा ज्यादा कट्टर है। इनका इस्तेमाल तालिबान को कमजोर करने के लिए किया जा रहा है। ये दावा फॉरेन पॉलिसी की एक रिपोर्ट के आधार पर किया गया है। न्यूज रिपोर्ट में एक डॉक्युमेंट के आधार पर कहा गया है, आईएसआई फंडेड इस्लामिक इनविटेशन अलायंस को तालिबान की जीत सुनिश्चित करने के मकसद से 2020 की शुरुआत में बनाया गया था। अब इसका मकसद पूरे अफगानिस्तान में चरमपंथ को सशक्त बनाकर तालिबान को अस्थिर करना है। IIA एक साल से ज्यादा समय से अमेरिकी खुफिया विभाग के रडार पर भी है। न्यूज रिपोर्ट में कहा गया है कि IIA में करीब 4,500 लड़ाके हैं। इसके जरिए आईएसआई अफगानिस्तान में जिहाद आंदोलन को जीवित रखकर तालिबान पर अपना दबाव बनाकर रखना चाहती है। इसमें ये भी कहा गया है कि आईएसआई से मिलने वाली फंडिंग को ड्डड्ड अपने मेंबर ग्रुप्स को दे रहा है। इससे आतंकी संगठन ड्डस्च को बूस्ट मिल रहा है। मेंबर ग्रुप्स के किए हमलों की जिम्मेदारी लेकर IS-K को खुद को एक मजबूत संगठन के तौर पर दिखाने में मदद मिल रही है। IIA के उदय ने तालिबान में राजनीतिक परिदृश्य को और ज्यादा जटिल बना दिया है। ऐसा इसलिए क्योंकि तालिबान के भीतर पहले से ही मतभेद दिखाई दे रहे हैं। तालिबान का डिप्टी पीएम मुल्ला बरादर और गृहमंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी के बीच दरार लगातार बढ़ रही है। अमेरिका के साथ शांति समझौते में मुल्ला बरादर की अहम भूमिका रही है। वहीं सिराजुद्दीन आतंकवादी संगठन हक्कानी नेटवर्क का प्रमुख है। अफगानिस्तान में हक्कानी ने कई सुसाइड अटैक को अंजाम दिया था। अफगानिस्तान की पूर्व सरकार में इंटेलिजेंस हेड रहे रहमतुल्लाह नबील ने कहा, बरादर का झुकाव अमेरिका की तरफ माना जाता है। वहीं हक्कानी को सबसे कड़े पश्चिमी विरोधी चेहरे के रूप में देखा जाता है।

कोरोना इफेक्ट:लगातार दूसरे साल भी कमी का दौर; यूरोप में बढ़े पर्यटक, ब्रिटेन में 82 फीसदी घटे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना काल के बाद यूरोप पर्यटकों के लिए खुल रहा है। यूरोप के कई देशों में पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है लेकिन ब्रिटेन में पर्यटकों के कदम नहीं पड़ रहे हैं। कोरोना मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या, सप्लाई चेन बाधित होना और यात्रा प्रतिबंधों में लगातार अनियमित रूप से बदलाव के कारण पर्यटक ब्रिटेन का रुख नहीं कर रहे हैं। ब्रिटेन में 2019 की तुलना में 2021 में अब तक पर्यटकों की संख्या में 82 फीसदी की कमी आई है। ब्रिटेन के नेशनल टूरिस्ट बोर्ड के अनुसार क्रिसमस और न्यू ईयर के दौरान भी पर्यटकों की आमद बढ़ने की कोई संभावना नहीं है। जबकि ब्रिटेन के पड़ोसी देश फ्रांस में 2020 की तुलना में 2021 में पर्यटकों की संख्या में 35 फीसदी की वृद्धि हुई। फ्रांस की अर्थव्यवस्था में पर्यटकों की आमद से लगभग 4300 करोड़ रुपए की आय बढ़ी। यूके टूरिज्म एलायंस के कर्त जैनसन का कहना है कि ब्रिटेन में पर्यटकों की कमी का सबसे बड़ा का कारण कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ना और सरकार की दोषपूर्ण नीतियां हैं।

पटना में जनता दरबार कार्य म के बाद पत्रकारों से बात करते बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार. साथ में बिहार के डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद और मंत्री शाहनवाज हुसैन भी नजर आ रहे हैं

न्यूज ब्रीफ

तालिबान का शक्ति प्रदर्शन

अमेरिकी हथियारों और गाड़ियों के साथ परेड की

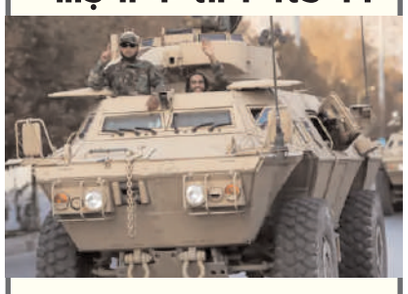

काबुल। तालिबानी सेना ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अमेरिकी गाड़ियों और रूसी हेलिकॉप्टरों के साथ शक्ति प्रदर्शन किया। परेड के जरिए तालिबान ने दिखाया कि कैसे उसने एक विद्रोही गुट से एक स्थायी सेना में खुद को तब्दील किया है। इसी साल अगस्त में अमेरिकी सेना की वापसी के बाद पीछे छोटे गए हथियारों का इस्तेमाल तालिबान कर रहा है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इनायतुल्लाह ख्वारजमी ने कहा कि परेड 250 नए प्रशिक्षित सैनिकों के ग्रेजुएशन से जुड़ी थी। परेड में अमेरिकी-निर्मित Mv17 बख्तरबंद सुरक्षा वाहन शामिल थे। तालिबानी लड़ाकों के हाथ में एम4 असॉल्ट राइफल्स थीं। ऊपर MI-17 हेलिकॉप्टर गश्त कर रहे थे। तालिबानी सेना अब जिन हथियारों और उपकरणों का उपयोग कर रही है, उनमें से ज्यादातर हथियार और उपकरण अमेरिका ने पूर्व अफगान सरकार को सप्लाई किए थे। तालिबान अब अफगान नेशनल आर्मी के पायलट, मैकेनिक्स और अन्य विशेषज्ञों को भी नई सेना में शामिल करेगा। स्पेशल इंस्पेक्टर जनरल फॉर अफगानिस्तान रिकंस्ट्रक्शन की रिपोर्ट पिछले साल आई थी। रिपोर्ट में साल 2002 से 2017 के बीच का डेटा दिया गया था। अमेरिकी सरकार ने अफगान सरकार को हथियार, वाहन, एयरक्राफ्ट और कई रक्षा उपकरण दिए। 15 सालों तक सप्लाई किए हथियारों और उपकरणों की कीमत 28 अरब डॉलर से ज्यादा बताई गई। अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद कई विमान वहीं छूट गए थे। अफगानिस्तान छोड़ने से पहले अमेरिकी सैनिकों ने करीब 70 विमान नष्ट कर दिए थे। एयर डिफेंस सिस्टम को भी डिसेबल

जूरी स्वार्गियारी अपने पति राइफलमैन सुमन स्वार्गियारी को श्रद्धांजलि अर्पित करती हैं, जो चुराचंदपुर में असम राइफल्स के काफिले पर आतंकवादी हमले में मारे गए थे, उनके अंतिम संस्कार समारोह के दौरान बक्सा जिले के थायलराकुची में।

अमेरिका की धमकी दरकिनार

एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की सप्लाई शुरू

पाक और चीन से निपटने को भारत का ब्रह्मास्त्र एस 400

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज दुबई

फाइटर एयरक्राफ्ट और लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल को मार गिराने वाले एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम्स की आपूर्ति रूस ने भारत को शुरू कर दी है। अमेरिका इसके विरोध में है। लेकिन, भारत ने अमेरिकी धमकी दरकिनार कर 39 हजार करोड़ रु. में इस सिस्टम को खरीदा है। दुश्मन के फाइटर एयरक्राफ्ट और लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल को हवा में ही मार गिराने की वाले क्षमता रखने वाले एस-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम्स की आपूर्ति रूस ने भारत को शुरू कर दी है। चीन से तनाव के बीच आधुनिक ब्रह्मास्त्र कहा जाने वाला मिसाइल सिस्टम्स मिलने को भारत की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। रूस के फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री-टेक्निकल कोऑपरेशन के डायरेक्टर दिमित्री शुगाएव ने दुबई एयर शो में इसका ऐलान किया। शुगाएव ने कहा कि भारत को एस-400 सिस्टम की आपूर्ति शुरू हो गई है। भारतीय रक्षा विभाग के सूत्रों के मुताबिक एयर डिफेंस सिस्टम के पार्ट्स हवाई और समुद्री मार्ग से भारत पहुंचने लगे हैं। इन्हें सबसे पहले पश्चिमी सीमा के पास तैनात किया जाएगा।

दुनिया का पहला तैरता होटल अब उत्तर कोरिया में लावारिस हाल में

वाशिंगटन। ऑस्ट्रेलिया में 33 साल पहले दुनिया का पहला समुद्र में तैरता फाइव स्टार होटल फोर सीजंस रीफ रिसॉर्ट बनाया गया। इटली के उद्यमी डॉन्ग टारका ने इसकी परिकल्पना की थी। आज की दर के अनुसार इसके निर्माण पर लगभग 753 करोड़ रुपए की लागत आई। होटल में 176 कमरे थे और इसमें 350 मेहमान रह सकते थे। होटल में टेनिस कोर्ट भी था। टारका का मानना था कि ऑस्ट्रेलिया की बैरियर रीफ को देखने आने वाले लोग इसमें रहने आएंगे। लेकिन ये होटल चंद साल ही चल पाया। इसका बड़ा कारण था कि ये होटल समुद्री थपेड़ों को नहीं झेल पाता था। लहरों के कारण ये बहुत हिलता डुलता था।

इंग्लैंड में आतंकी हमला!

लिवरपूल में महिला अस्पताल की पार्किंग में खड़ी कार में बम फटा, एक की मौत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लंदन

इंग्लैंड के उत्तरी शहर लिवरपूल में एक महिला अस्पताल के बाहर रविवार को कार में बम विस्फोट हो गया। पुलिस के मुताबिक, धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर घायल हो गया। इस धमाके को आतंकी साजिश का नतीजा माना जा रहा है। पुलिस ने अस्पताल की तरफ जाने वाली सभी सड़कों को ब्लॉक कर दिया है और सेना का बम स्क्वॉड भी मौके पर पहुंच गया है। साथ ही काउंटर टेररिज्म ऑफिसर्स की टीम भी मौके पर पहुंच गई है।

टैक्सी थी विस्फोट का शिकार हुई कार, कुछ मिनट पहले की गई थी खड़ी

द मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे बम धमाके का शिकार होने वाली कार एक टैक्सी थी, जिसे महज कुछ ही मिनट पहले अस्पताल के बाहर पार्किंग में लाया गया था। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मरने वाले ही कार को लेकर आए थे या किसी अन्य ने उसे वहां खड़ा किया था। मेरिसाइड पुलिस की चीफ कॉन्स्टेबल सेरेना कैनेडी के मुताबिक घटना को अभी आतंकी हमला घोषित नहीं किया गया है, लेकिन इसकी जांच आतंकी हमले के नजरिए से की जा रही है। इसीलिए काउंटर टेररिज्म ऑफिसर्स जांच को लीड कर रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने सुनी कई धमाकों की आवाज

कार में धमाके के बाद रॉयर लॉजिस्टिक कॉर्प्स आर्मी का बॉम्ब डिस्पोजल ट्रक मौके पर पहुंच गया है। घटना के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने कई धमाकों की आ ?वाज सुनी और एरिया मे गहरे धुएं का गुबार आसमान में उड़ता दिखाई दिया। हालांकि पुलिस ने अभी एक ही बम धमाके की पुष्टि की है, लेकिन न्यूज वेबसाइट लिवरपूल इको की रिपोर्ट में सामने आए वीडियो में भी कम से कम दो धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है। वेबसाइट को यह वीडियो किसी प्रत्यक्षदर्शी ने उपलब्ध कराया है।

जम्मू नगर निगम के कार्यकर्ताओं ने जम्मू में डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए धूमन किया

न्यूज ब्रीफ

फुटसाल में भारत के लिये 'गेम-चेंजर' बनने की क्षमता : एआईएफएफ महासचिव

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव कुशल दास को लगता है कि फुटसाल क्लब चैम्पियनशिप में देश में 'गेम-चेंजर' बनने की क्षमता है। यह चैम्पियनशिप शनिवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में समाप्त हुई जिसमें दिल्ली एफसी पहली चैम्पियन बनी। टूर्नामेंट समाप्त होने के बाद दास ने चैम्पियनशिप को सफल बनाने के लिये सभी पक्षों के प्रयासों की प्रशंसा की। महासंघ की वेबसाइट पर दास ने कहा, ''मुझे लगता है कि देश में फुटसाल में अपार क्षमता है। मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट भारत में फुटसाल के लिये 'गेम-चेंजर' होगा।

एटीपी फाइनल्स : मेदवेदेव और जेवरेव जीते, बेरेटिनी घायल

तूरिन (इटली)। यूएस ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव ने अपनी दमदार सर्विस और बेसलाइन पर शानदार खेल से एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में हूबर्ट हरकाज्स को 6-7 (5), 6-3, 6-4 से हराया। रेड ग्रुप में दिन के दूसरे मैच में 2018 के चैंपियन अलेक्सांद्र जेवरेव ने इटली के मैटियो बेरेटिनी के हटने के कारण मैच अपने नाम किया। बेरेटिनी पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दूसरे सेट में हट गये थे। जेवरेव ने पहला सेट 7-6 (7) से जीता था। जब बेरेटिनी ने हटने का फैसला किया तब जेवरेव दूसरे सेट में 1-0 से आगे चल रहे थे। शीर्ष रैंकिंग के नोवाक जोकोविच ग्रीन ग्रुप में अपना पहला मैच आठवीं वरीयता प्राप्त कास्पर रूड से खेलेंगे जबकि चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफनोस सिटसिपास पांचवें वरीय आंद्रे रूबलेव का सामना करेंगे।

चीन के खिलाफ विश्व कप अभियान को पटरी पर लाने की कोशिश करेगा ऑस्ट्रेलिया

सियोल। ऑस्ट्रेलिया फीफा विश्व कप एशियाई क्वालीफिकेशन में मंगलवार को चीन के खिलाफ शारजाह में खेले जाने वाले मैच में अपने अभियान को पटरी पर लाना चाहेगा। चीन की टीम भी इस मैच में पूरा जोर लगायेगी क्योंकि एक और हार के साथ क्वालीफाई करने की उसकी उम्मीदें लगभग खत्म हो जाएगी। अगले साल नवंबर में कतर में खेले जाने फुटबॉल विश्व कप क्वालीफाइंग के ग्रुप बी में काबिज ऑस्ट्रेलिया की टीम पिछले दो मैचों में एक ही अंक हासिल कर सकी है। टीम ग्रुप में सऊदी अरब से तीन अंक पीछे दूसरे स्थान पर है। जापान ऑस्ट्रेलिया से एक अंक पीछे तीसरे स्थान पर है। छह ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सीधे तौर पर विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगी।

टी-20 वर्ल्ड कप के नायक : टॉप 5 बल्लेबाजों में दो पाकिस्तानी, भारतीय खिलाड़ी टूर्नामेंट में रहे फिसड्डी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज दुबई

29 दिन और 45 मुकाबलों के बाद टी-20 वर्ल्ड कप 2021 का चैंपियन मिल गया। ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी अपने नाम की है। इस वर्ल्ड कप में कई ऐसे बल्लेबाज रहे जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से बेजोड़ दम दिखाया है। वहीं, कई ऐसे गेंदबाज भी रहे जिन्होंने अपनी गेंदबाजी से सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। आइए आपको ऐसे ही टॉप 5 बल्लेबाज और टॉप 5 गेंदबाज के बारे में बताते हैं। बता दें, टॉप 5 बल्लेबाज और टॉप 5 गेंदबाज में एक भी भारतीय नहीं है। भारतीय खिलाड़ी पूरे टूर्नामेंट में फिसड्डी रहे। खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन का ही नतीजा था कि टीम सुपर-12 से ही बाहर हो गई।

बाबर के नाम सबसे ज्यादा रन

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बाबर आजम के बल्ले से निकले। उन्होंने 6 मैचों में 303 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 60.60 का था। बाबर ने ये रन 126. 25 के स्ट्राइक रेट से बनाए। पूरे टूर्नामेंट में पाक के कप्तान के बल्ले से 28 चौके और 5 छक्के निकले। साथ ही उन्होंने 6 मैचों में 4 अर्धशतक बनाया। दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर रहे। इस धाकड़ बल्लेबाज ने 7 मैचों में 48.16 की शानदार औसत से 289 रन बनाए। इस दौरान इस खिलाड़ी का स्ट्राइक रेट 146.70 का था। पूरे टूर्नामेंट में इनके बल्ले से 32 चौके और 10 छक्के निकले।

खूब चला रिजवान और बटलर का बल्ला

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में रिजवान ने धमाकेदार पारी खेली थी, लेकिन उनकी टीम जीत नहीं पाई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में रिजवान ने धमाकेदार पारी खेली थी, लेकिन उनकी टीम जीत नहीं पाई। तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान रहे। उन्होंने 6 मैचों में कमाल का फॉर्म दिखाया और उनके बल्ले से 281 रन निकले। इस दौरान रिजवान का औसत 70.25 रहा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल से पहले 2 दिन ICU में रहे इस जांबाज खिलाड़ी का स्ट्राइक रेट 127.72 का रहा।

टी-20 वर्ल्ड कप में धनवर्षा

विश्व विजेता ऑस्ट्रेलिया को मिले 12 करोड़

» न्यूजीलैंड भी मालामाल; टीम इंडिया के खाते में आए लाखों रुपए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप 2021 का चैंपियन मिल गया है। दूसरी बार फाइनल में पहुंची ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीत लिया। चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को ट्रॉफी के साथ लगभग 12 करोड़ और रनर-अप न्यूजीलैंड को लगभग 6 करोड़ रुपए प्राइज मनी मिली।

सेमीफाइनलिस्ट टीमों और भारत को क्या मिला?

वहीं, सेमीफाइनलिस्ट टीमें पाकिस्तान और इंग्लैंड को लगभग 3 करोड़ रुपए मिले। टीम इंडिया भी खाली हाथ नहीं रही। सुपर-12 से बाहर हुई टीमों को ICC ने लगभग 52 लाख रुपए दिए।

किसने बनाए कितने रन?

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बाबर आजम के बल्ले से निकले। उन्होंने 6 मैचों में 303 रन बनाए। दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर रहे। इस धाकड़ बल्लेबाज ने 7 मैचों में 289 रन बनाए। वहीं, तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के ही मोहम्मद रिजवान हैं।

उन्होंने 6 मैचों में कमाल का फॉर्म दिखाया और उनके बल्ले से 281 रन निकले। चौथे स्थान पर इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर रहे। उन्होंने 6 मैचों में 269 रन बनाए। वहीं, पांचवे स्थान पर श्रीलंका के चरिथ असलंका रहे जिनके बल्ले से 5 मैचों में 231 रन देखने को मिले। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की ट्रॉफी दी गई।

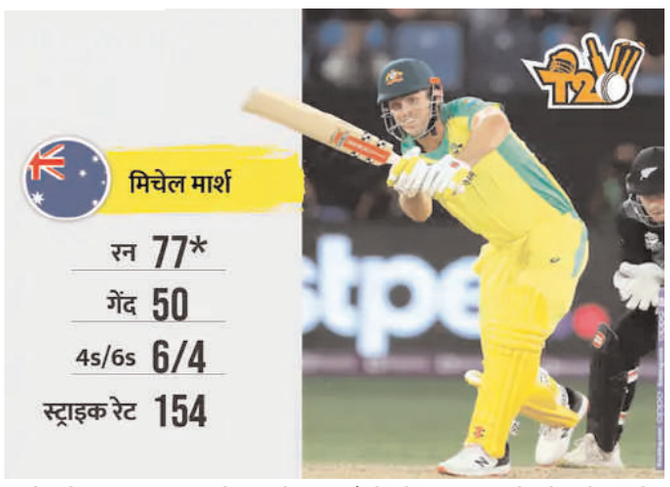

किसके खाते में आए सबसे ज्यादा विकेट?

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट श्रीलंका के वानिंदु हसंरगा ने झटके। उनके नाम 16 विकेट रहे। दूसरे नंबर पर वर्ल्ड कप की चैंपियन बनी टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी एडम जम्पा रहे। उन्होंने 7 मैचों में 13 विकेट अपने नाम किए। तीसरे नंबर पर रनर-अप टीम न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट थे। उनके खाते में 13 विकेट आए।

चौथे स्थान पर बांग्लादेश के शाकिब अल हसन ने अपनी जगह बनाई। उन्होंने 6 मैचों में 11 खिलाड़ियों को आउट कर पवेलियन का रास्ता दिखाया। वहीं, जोश हेजलवुड की झोली में भी 11 विकेट आए।

फाइनल मुकाबले में हीरो रहे मार्श और वार्नर

ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया है। इस जीत के हीरो डेविड वार्नर और मिचेल मार्श रहे। दोनों ने अहम मैच में अर्धशतकीय पारी खेली और टीम को जीत दिलाने में सफल रहे।

मार्श ने 50 गेंद पर 77 रन बनाए जिसमें 6 चौके और 4 छक्के जड़े। वहीं, वॉर्नर ने 38 गेंद पर 53 रनों की धमाकेदार पारी खेली। वॉर्नर ने अपनी पारी में 3 छक्के और 4 चौके जमाए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने रातभर जश्न मनाया

» जीत की खुशी में जूते में बीयर पी; नाचते रहे, गाते रहे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज दुबई

ऑस्ट्रेलिया के रूप में दुनिया को टी-20 वर्ल्ड कप के रूप में एक नया चैंपियन मिल गया है। जीत की खुशी में मैथ्यू वेड और मार्कस स्टोइनिस इस कदर डूब गए कि वेड और स्टोइनिस ने जूते में बीयर डालकर पिया और जमकर डांस किया। कंगारू टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराकर पहली बार इस खिताब पर कब्जा जमाया। टी-20 चैंपियन बनने के लिए ऑस्ट्रेलिया को पूरे 14 सालों का इंतजार करना पड़ा। 2010 में टीम के पास टूर्नामेंट जीतने का मौका था, लेकिन इंग्लैंड ने टीम के सपने को पूरा नहीं होने दिया था। ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए टी-20 वर्ल्ड कप में पहली बार खिताब पर कब्जा कितना मायने रखता है, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया टीम की ड्रेसिंग रूम में रात-भर जश्न का माहौल रहा। स्टोइनिस ने इस मैच में एडम जम्पा की गेंद पर मार्टिन गुप्टिल का कैच पकड़कर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई थी। गुप्टिल ने 35 गेंदों का सामना कर 28 रन बनाए। वहीं मैथ्यू वेड ने भी डेरिल मिचेल का कैच जोश हेजलवुड की गेंद पर पकड़ कर उन्हें पवेलियन की राह दिखाई।

साओ पाउलो। मर्सीडीज के ड्राइवर लुईस हैमिल्टन ने विषम परिस्थितियों के बावजूद ब्राजील ग्रां प्री में जीत दर्ज करके रेडबुल के ड्राइवर मैक्स वर्सटाप्पन के साथ फार्मूला वन खिताब की अपनी जंग को जीवंत बनाए रखा। सात बार के विश्व चैंपियन हैमिल्टन ने जुर्माना लगने के कारण ग्रिड में 10वें स्थान से शुरुआत की लेकिन इसके बावजूद वह वर्सटाप्पन को हराने में सफल रहे।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

इंडोनेशिया मास्टर्स : सिंधू की निगाह खिताब पर, साइना और समीर हटे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बाली

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करते हुए खिताब जीतने की कोशिश करेगी जबकि साइना नेहवाल और समीर वर्मा चोटिल होने के कारण इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे। टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता सिंधू पिछले लंबे समय से खिताब नहीं जीत पाई है। वह हाल में डेनमार्क में क्वार्टर फाइनल और फ्रांस में सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही। उन्होंने अपना आखिरी खिताब 2019 विश्व चैंपियनशिप के रूप में जीता था। वह इस साल के शुरू में स्विस ओपन के फाइनल में पहुंची थी। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय की इंडोनिशया से अच्छी यादें जुड़ी हैं। वह दो साल पहले जकार्ता में फाइनल में पहुंची थी। वह अपने पहले मुकाबले में थाईलैंड की सुपानिदा कैटथोंग

से भिड़ेगी। सिंधू अगले दो दौर में स्पेन की क्लारा अजुरमेंदी और कनाडा की छठी वरीयता प्राप्त मिशेल ली से भिड़ सकती है। सेमीफाइनल में उन्हें जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकीने यामागुची का सामना करना पड़ सकता है। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना और समीर चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट में भाग नहीं ले पाएंगे। साइना जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव से जबकि समीर पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव से परेशान हैं।

किदाम्बी श्रीलंका और लक्ष्य सेन पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। लक्ष्य पुरुष एकल के अपने पहले मैच में जापान के कांता सुनेयामा से भिड़ेंगे, जबकि समीर के बाहर होने के बाद श्रीकांत का सामना क्वालीफायर से होगा। ओलंपियन बी साई प्रणीत का सामना इंडोनेशिया के शेसर हिरेन रुस्तवितो से होगा जबकि एचएस प्रणय को अपने पहले मैच में छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोनाथन क्रिस्टी का सामना करना है। पारुपल्ली कश्यप का सामना डेनमार्क के हैंस-क्रिस्टियन सोलबर्ग विटिंगस से होगा। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी मलेशिया के ओंग यू सिन और टियो ई यी से जबकि एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की जोड़ी जापान के ताकुरो होकी और यूगो कोबायाशी से भिड़ेगी। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी डेनमार्क की एलेक्जेंड्रा बोए और मेटे पॉल्सन से भिड़ेगी। मिश्रित युगल में अश्विनी ने बी सुमित रेड्डी के साथ और सिक्की ने ध्रुव कपिला के साथ जोड़ी बनायी है।

न्यूज ब्रीफ

पीबी फिनटेक के शेयर 17 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। ऑनलाइन बीमा मंच पॉलिसीबाजार और ऋण सेवा पोर्टल पैसाबाजार का संचालन करने वाले पीबी फिनटेक लिमिटेड के शेयर सोमवार को अपने निर्गम मूल्य 980 रुपये के मुकाबले 17 प्रतिशत से अधिक के प्रीमियम के साथ सूचीबद्ध हुए। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई, दोनों पर 17.34 फीसदी की तेजी के साथ 1,150 रुपये पर खुले। बाद में बीएसई पर शेयर 22.95 प्रतिशत बढ़कर 1,205 रुपये पर पहुंच गए। इस महीने की शुरुआत में पीबी फिनटेक लिमिटेड के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को 16.59 गुना अभिदान मिला था।

रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे चढ़ा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती के रुख और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे चढ़कर 74.33 के स्तर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 74.38 पर मजबूत खुला और शुरुआती सौदों में तेजी के साथ 74.33 के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 12 पैसे की बढ़ोतरी दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 74.45 पर बंद हुआ था। इसबीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत गिरकर 95.01 पर आ गया। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.82 प्रतिशत गिरकर 81.50 डॉलर प्रति बैरल पर था।

सेबी चेयरमैन की सलाह : गलत रिटर्न और मीठे वादों के लालच में न आएं निवेशक, जल्द ही आएगा इन्वेस्टर चार्टर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

फाइनेंशियल रेगुलेटर भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन अजय त्यागी ने निवेशकों को अवास्तविक रिटर्न और मीठे-मीठे वादों के लालच में आने के प्रति आगाह किया। त्यागी अगले साल फरवरी में रिटायर होंगे।

आएगा चार्टर इन्वेस्टर

त्यागी इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि निवेशकों को सिक्योरिटी बाजार में अवास्तविक रिटर्न के लालच में फंसने से सावधान रहना चाहिए। सेबी भारतीय सिक्योरिटी मार्केट में निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए एक इन्वेस्टर चार्टर ला रहा है। अजय त्यागी ने कहा कि स्टॉक मार्केट वैल्यूएशन पहले ही टॉप पर पहुंच चुका है। कंपनियां निवेशकों से फंड जुटाने के लिए आईपीओ की लाइन लगा रही हैं।

भोले-भाले निवेशकों का फायदा उठाते हैं असामाजिक तत्व

सेबी चेयरमैन ने कहा कि कई बार, असामाजिक तत्व भोले-भाले निवेशकों का

- शेयर बाजार का मूल्यांकन टॉप पर है
- कंपनियां IPO की लाइन लगा रही हैं
- असामाजिक तत्व निवेशकों को चांद-तारे के सपने दिखाते हैं
- ऐसे बेतुके ऑफर्स और वादे में निवेशक न फंसें

फायदा उठाकर ऐसे वादे करते हैं जो चांद तारों के सपने दिखाते हैं। इसलिए निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे इस तरह के बेतुके ऑफर्स से सावधान रहें। उनके अनुसार, निवेशकों को पहली बात यह समझने की जरूरत है कि जब भी किसी पैसों का निवेश किया जाता है तो उसमें कुछ जोखिम अवश्य शामिल होते हैं। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि निवेशक जिस उत्पाद में निवेश कर रहे हैं उसमें शामिल जोखिमों और उनकी जोखिम लेने की क्षमता से अच्छी तरह से अवगत हों।

गलत रास्ते पर जाने की बजाय दूर रहें

उन्होंने कहा कि यदि निवेशक किसी विशेष फाइनेंशियल प्रोडक्ट का आंकलन करने में सक्षम नहीं हैं, तो गलत रास्ते पर जाने के बजाय इससे दूर रहना ही उनके लिए बेहतर होगा। उन्होंने कहा पंजीकृत मध्यस्थों विनियमित संस्थाओं और असेट मैनेजमेंट कंपनी द्वारा अलग निवेशक चार्टर बनाए गए हैं।

चार्टर का उद्देश्य जागरुकता पैदा करना है

त्यागी ने कहा कि इन चार्टर्स का उद्देश्य निवेशकों को उन्हें प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना है। इसमें इस बात का जिक्र होगा कि निवेशक शिकायत निवारण तंत्र जैसी विभिन्न सेवाओं से संबंधित समय सीमा, उनके अधिकार और जिम्मेदारियां और सिक्योरिटी मार्केट में निवेश करने के लिए क्या करें और क्या न करें।

बाजार का मार्केट कैप दोगुना हुआ

गौरतलब है कि 2016-17 के अंत में बाजार का मार्केट कैप लगभग 120 लाख करोड़ रुपए था। अब यह मार्केट कैप 262 लाख करोड़ रुपए है। इक्विटी कैश मार्केट और डेरिवेटिव मार्केट टर्नओवर में भी अच्छा उछाल देखा गया है। उन्होंने कहा कि औसत मासिक इक्विटी कैश मार्केट टर्नओवर वित्त वर्ष 2019-20 में 8 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर इस वित्त वर्ष में अक्टूबर 2021 तक 15.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया।

म्यूचुअल फंड उद्योग का असेट अंडर मैनेजमेंट 2017-18 में 21 लाख करोड़ रुपए से 31 अक्टूबर, 2021 तक 37 लाख करोड़ रुपए हो गया है जो करीबन दोगुना हो गया। त्यागी ने कहा कि सिक्योरिटी मार्केट में रिटेल निवेशकों की भागीदारी में पिछले दो सालों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। डीमैट खाते, म्यूचुअल फंड फोलियो और सिस्टैमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान की संख्या में तेजी से बढ़त हो रही है।

हर महीने खुल रहे 26 लाख डीमैट अकाउंट

उन्होंने कहा कि 2019-20 में हर महीने औसतन 4 लाख नए डीमैट खाते खोले गए। चालू वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 26 लाख प्रति माह से अधिक हो गए। अगर हम म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या देखें तो वित्त वर्ष 2019-20 की शुरुआत में फोलियो की कुल संख्या 8.25 करोड़ थी, जो 31 अक्टूबर 2021 तक बढ़कर 11.44 करोड़ हो गई।

एथर एनर्जी 24 महीनों के भीतर लाएगी आईपीओ

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्टार्टअप एथर एनर्जी 24 महीनों के भीतर आईपीओ लाने की योजना बना रही है। कंपनी की पहले 4 से 5 साल में आईपीओ लाने की योजना थी। कंपनी ने दो साल में 3 अरब डॉलर के सालाना राजस्व का लक्ष्य तय किया है। यह दुनिया की ऐसी पहली ईवी स्टार्टअप बन सकती है, जो सकारात्मक एबिटा वित्तीय नतीजों के बलबूते आईपीओ लाने जा रही है। एथर ने इसके लिए अपनी प्रमुख निवेशक हीरो मोटोकॉर्प को भी राजी कर लिया है, जिसकी इस स्टार्टअप में 35 फीसदी हिस्सेदारी है। हीरो मोटोकॉर्प अकेले स्वतंत्र रूप से भी दोपहिया ईवी लाने के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। इसके अगले साल अपने उत्पाद पेश करने के आसार हैं। इस समझौते के तहत ईवी बाजार में एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा में खंड, बाजार और क्षमता के आधार पर कोई बंदिश नहीं होगी। असल में वे ऐसे क्षेत्र तलाशेंगी, जिनमें वे मिलकर काम कर सकें। एथर के सह-संस्थापक और सीईओ तरुण मेहता ने कहा, %एक ही क्षेत्र में मौजूद हर कोई प्रतिद्वंद्वी य ।

प्रतिस्पर्धी नहीं है। आप साझेदार भी हो सकते हैं। जब मेहता से यह पूछा कि क्या एथर हीरो मोटोकॉर्प से प्रतिस्पर्धा करने से बचेगी तो उन्होंने कहा कि दोनों के लिए मौके मौजूद हैं। उन्होंने कहा, ईवी चक्र के ऐसे शुरुआती चरण में खंड, क्षमता और बाजार पर बनावटी बंदिशों का कोई अर्थ नहीं है। हीरो एक बड़ी साझेदार है। इसे खुद के उत्पाद भी बनाने होंगे। लेकिन जहां दोनों काम कर सकते हैं, वहां हम साथ मिलकर काम करने की संभावनाएं तलाश सकते हैं। उदाहरण के लिए, बुनियादी ढांचा। लेकिन उत्पादों के मामले में हमारी दिशा अलग-अलग हैं।

म्यांमा में राजनीतिक गतिरोध से अर्थव्यवस्था चरमराई

नई दिल्ली। म्यांमा में सेना के सत्ता पर काबिज होने के बाद पड़ोसी देश की अर्थव्यवस्था कई साल पीछे चली गई है म्यांमा की अर्थव्यवस्था पहले ही मंदी का सामना कर रही थी, और महामारी ने पर्यटन क्षेत्र को पंगु बना दिया था। एक फरवरी को सेना द्वारा अपनी नागरिक सरकार को बेदखल करने के बाद हुई राजनीतिक उथल-पुथल की कीमत यहां के 6.2 करोड़ लोग भीषण महंगाई के रूप में चुका रहे हैं। राजनीतिक गतिरोध का कोई अंत नहीं होने के कारण, अर्थव्यवस्था के लिए परिदृश्य भी अस्पष्ट है। म्यांमार में महंगाई आसमान छूने के कारण देश में हजारों लोगों ने अपनी नौकरी खो दी है और गरीबी बढ़ गई है। थाई सामान बेचने वाले मा सान सैन ने बताया कि आयातित खाद्य पदार्थों और दवाओं की कीमत पहले की तुलना में दोगुनी हो गई है।

देश में बन रहे वर्ल्ड क्लास स्टेशन : एयरपोर्ट भी इनके सामने फीके पड़ जाएं, खूबसूरती ऐसी कि नजर हटाना मुश्किल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भोपाल में नए वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। इसका नाम रानी कमलापति (पहले हबीबगंज) स्टेशन रखा गया है। इसे पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर तैयार किया गया है। लग्जरी सुविधाओं से लैस इस स्टेशन के सामने एयरपोर्ट भी फीका नजर आएगा। देश में यह PPP मॉडल पर बना पहला रेलवे स्टेशन है। इसी मॉडल पर नागपुर, ग्वालियर, अमृतसर और साबरमती में वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन तैयार किए जाएंगे। सरकार का देश के 110 रेलवे स्टेशन के री-डेवलपमेंट का प्लान तैयार है। इनमें से 60 स्टेशन को भारतीय रेलवे स्टेशन

विकास निगम और 50 को रेलवे भूमि पुनर्विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार किया जाएगा। रेल मंत्रालय की फॉर्म्युलेटेड पार्टिसिपेट पॉलिसी 2012 के मुताबिक, 13 प्रोजेक्ट PPP मॉडल पर तैयार किए जाएंगे। इनकी लागत 6,176 करोड़ रुपए है। वहीं, 11 प्रोजेक्ट पर 22,098 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यहां पर कोल और पोर्ट कनेक्टिविटी की सुविधा भी मिलेगी। 7 अन्य प्रोजेक्ट पर 13,421 रुपए खर्च किए जाएंगे। रानी कमलापति स्टेशन को एनवॉयरनमेंट फ्रेंडली बिल्डिंग के तौर पर डिजाइन किया गया है। यहां पर एक साथ 1100 लोग बैठ सकते हैं। स्टेशन पर एयर कंडीशन वेटिंग रूम है। CCTV कैमरे लगे हुए हैं। यहां होटल, हॉस्पिटल, शॉपिंग मॉल, फूड कोर्ट के साथ कई सुविधाएं मिलेंगी। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में एयरपोर्ट की तर्ज पर रेलवे स्टेशन बनाया गया है। इसके ऊपर 318 कमरे वाला फाइव स्टार होटल भी है। यह देश का पहला ऐसा रेलवे स्टेशन है, जहां अलग से प्रार्थना रूम और बेबी फीडिंग रूम बनाया गया है। यहां एंट्री गेट, बुकिंग, लिफ्ट-एस्कलेटर, बुक स्टॉल, खाने-पीने के स्टॉल समेत सभी सुविधाओं के अलावा प्राथमिक उपचार के लिए एक छोटा सा अस्पताल भी बन रहा है। पूरा स्टेशन CCTV कैमरों की निगरानी में रहेगा। देश की राजधानी के नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को PPP मोड के तहत RLDA द्वारा वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन के तौर पर तैयार किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट में 8,500 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है।

निवेश पर चाहिए ज्यादा रिटर्न तो फंड ऑफ फंड्स में लगाएं पैसा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बढ़ती महंगाई में अगर आप अपने निवेश पर फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा रिटर्न चाहते हैं तो आप म्यूचुअल फंड की फंड ऑफ फंड्स कैटेगरी में निवेश कर सकते हैं। इसने बीते 1 साल में 51 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। आज हम आपको म्यूचुअल फंड की इस कैटेगरी के बारे में बता रहे हैं।

फंड ऑफ फंड्स क्या हैं?

फंड ऑफ फंड्स म्यूचुअल फंड की ऐसी स्कीम्स हैं जो दूसरी म्यूचुअल फंड स्कीम्स में निवेश करती हैं। लेकिन यह इंडेक्स फंड्स और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स तक सीमित नहीं है। उदाहरण के लिए अगर फंड मैनेजर सोने में निवेश करना चाहता है तो वह सोने में निवेश करने वाली गोल्ड स्कीम में पैसा लगाएगा, फंड मैनेजर जिस भी स्कीम में पैसा लगाना चाहे लगा सकता है। इसका मतलब यह है कि फंड ऑफ फंड्स म्यूचुअल फंड की ऐसी स्कीम्स है जो दूसरी स्कीम्स में निवेश करती हैं। वह किसी एक स्कीम में पैसा लगाने के लिए बाध्य नहीं होती हैं। फंड ऑफ फंड्स में कंपनी के शेयर या बॉन्ड नहीं होते हैं, फंड ऑफ फंड्स अन्य स्कीम्स की यूनिट होल्ड करते हैं। एक फंड ऑफ फंड्स मैनेजर अपने फंड हाउस या अन्य फंड हाउस की कई स्कीम्स में निवेश कर सकता है।

इसमें रहती है ज्यादा फायदे की संभावना

इसमें निवेश का सबसे बड़ा फायदा छोटे निवेशकों को है जो धन की कमी के कारण निवेश के अलग-अलग विकल्पों में निवेश नहीं कर पाते हैं। वे इस स्कीम के जरिये अपने पोर्टफोलियो को कम राशि में डायवर्सिफाई कर सकते हैं। निवेश पर अधिक लाभ कमाने की संभावना बढ़ जाती है। फंड ऑफ फंड्स तीन तरह के हो सकते हैं। एक जो इक्विटी में निवेश करते हैं। दूसरे जो डेट फंड में पैसा लगाते हैं। तीसरे वे जिनका निवेश अंतरराष्ट्रीय बाजारों में होता है। ये तीन प्रकार तकरीबन सभी एसेट क्लास को कवर कर लेते हैं। 12 महीने से कम समय में निवेश भुनाने पर इक्विटी फंड्स से कमाई पर शार्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है।

सूर्यवंशी व अन्नाथे से भारतीय सिनेमा जगत में नया उत्साह

नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी की मार से बेहाल भारतीय फिल्म उद्योग और दर्शकों के लिए तरस रहे देश के सिनेमाघरों को इस बार दीवाली पर शानदार तोहफा मिला है। दीवाली पर प्रदर्शित हुईं दो फिल्मों हिंदी में सूर्यवंशी और तमिल में अन्नाथे ने भारतीय फिल्म उद्योग में नई जान फूंक दी है। इन दोनों फिल्मों ने इस महीने के पहले सप्ताह में संयुक्त रूप से भारत सहित दुनिया भर में 400 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है। भारतीय फिल्म दुनिया को लगातार राजस्व में कमी का सामना करना पड़ रहा था मगर इन दोनों फिल्मों की शानदार कमाई ने एक नए उत्साह का संचार किया है। ईऐंडवाई की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 में फिल्म उद्योग का सालाना राजस्व कम होकर महज 7,220 करोड़ रुपये रह गया।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।